केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक
# भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 142 रविवार 15 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### शिक्षक हीरालाल गुप्ता के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज रसायन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष हीरालाल गुप्ता का लगभग 95 वर्ष की आयु में शनिवार 14 दिसम्बर को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके स्टेशन रोड स्थित आवास पर बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। हीरालाल गुप्ता के पुत्र डा. अश्विनी गुप्ता ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार सरयू के तट पर किया जायेगा।

### बिजनौर में अभिनेता मुश्ताक खान के अपहरण में 4 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ (आभा)। अभिनेता मुस्ताक खान के अपहरण में पुलिस ने पूर्व सभासद समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों से एक लाख चार हजार रुपये बरामद किया है। जबकि मुख्य आरोपी समेत छह आरोपी अभी भी फरार हैं। बिजनौर के लवी, पूर्व सभासद सार्थक चौधरी, अर्जुन कर्णवाल, सबीउद्दीन, अजीम, शशांक, आकाश, शिवा, अंकित व शुभम ने मिलकर अभिनेता मुस्ताक खान और हास्य कलाकार सुनील पाल का अपरहण किया था। आरोपियों ने पहले कैब से मुश्ताक खान को एयरपोर्ट से रिसीव कराया था। जबकि दिल्ली के अक्षर धाम मंदिर से पास से दूसरी गाड़ी में बैठाया था। इस दौरान बदमाश मुस्ताक खान और अन्य गाड़ी में सवार थे। बदमाशों ने मुश्ताक खान को लवी के घर में रखा था। जहां से मुश्ताक खान भागकर पास की मस्जिद में पहुंच गए थे। जहां से वह अपने गिरजिनों के साथ दिल्ली चले गए थे। पुलिस ने मामले में पूर्व सांसद सार्थक उर्फ रिक्की, सबीउद्दीन, अजीम और शशांक को गिरफ्तार किया है।

### धार्मिक उन्माद का एजेंडा सेट कर रही भाजपा

संवाददाता–गोरखपुर। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष निर्मला पासवान ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। प्रदेश सरकार आम लोगों की समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए हिन्दू–मुसलमान करने और ध धार्मिक उन्माद पैदा करने का एजेंडा सेट कर रही है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिजली निगम को प्राइवेट हाथों में बेचा जा रहा है। वर्ष 2023–24 में पावर कॉरपोरेशन 4.36 रुपये प्रति यूनिट की दर से 2300 मिलियन यूनिट बिजली टोरेंट पावर को दिया, लेकिन जनता को महंगी बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा में 69000 शिक्षक भर्ती कोर्ट में है, जिसमें आरक्षण नियमों का पालन नहीं हुआ। पत्रकार वार्ता में उपाध्यक्ष तौकीर आलम, एसपी सिंह, महेंद्र नाथ मिश्रा, सत्येंद्र निषाद, विनोद जोसेफ राजकुमार यादव, अनुराग पांडे, अविनाश तिवारी आदि मौजूद रहे।

### खेत के किनारे लगे बाड़ में करंट से अधेड़ की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना अन्तर्गत मजनू चौकी क्षेत्र के ग्राम सभा मटियारी में खेत के किनारे तार के बाड़ में करंट की चपेट में आने से 50 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गई। 112 नंबर की सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम सभा मटियारी निवासी जुबेर अली (50) पुत्र असगर अली शनिवार को सुबह 7:30 बजे खेत की तरफ घूमने जा रहे थे कि रास्ते में खेत के किनारे लगे तार के करंट की चपेट में आ जाने से घटनास्थल पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची मजनू चौकी पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया।

# एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी –पीएम मोदी

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा में पीएम मोदी ने कहा कि हमारा संविधान भी भारत की एकता का आधार है। संविधान के निर्माण कार्य के पीछे देश के बड़े–बड़े दिग्गज, साहित्यकार, स्वंत्रता सेनानी थे। कई फील्ड के प्रोफेशल्स थे। समाज के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में संविधान पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने दो टूक कहा कि हमारा संविधान भारत की एकता का आधार है। इसको बनाने में समाज के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व था। उन्होंने कांग्रेस के नेहरू–गांधी परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। इस बात का इसलिए जिक्र कर रहा, क्योंकि इस परिवार ने 55 साल तक देश पर राज किया। इसी वजह से जानने का अधिकार है कि क्या–क्या हुआ।

पीएम मोदी ने कहा कि इस परिवार के कुविचार, कुनीति आदि की परंपरा लगातार चल रही है। हर स्तर पर इस परिवार ने संविधान को चुनौती दी है। 1947 से 1952 तक देश में चुनी हुई सरकार नहीं थी। अस्थायी व्यवस्था थी और चुनाव नहीं हुए थे। 1952 से पहले राज्यसभा का भी कोई गठन नहीं हुआ था और जनता का भी कोई आदेश नहीं था, लेकिन इसके बाद भी 1951 अध्यादेश लाकर संविधान को बदल दिया और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला कर दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत बहुत ही जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में मजबूत कदम रख रहा है। 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प है कि जब आजादी की शताब्दी मनाएंगे तो देश को विकसित भारत बनाकर रहेंगे। इस संकल्प से सिद्धि के लिए सबसे बड़ी जरूरत है, वह है भारत की एकता। संविधान के निर्माण कार्य में देश के बड़े बड़े दिग्गज, साहित्यकार, स्वंत्रतासेनानी थे। कई फील्ड के प्रोफेशल्स थे।

लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब हम संविधान लागू होने के 75 वर्ष का उत्सव मना रहे हैं तो अच्छा संयोग है कि राष्ट्रपति पद पर एक महिला आसीन हैं जो संविधान की भावना के अनुरूप भी है। भारत का गणतांत्रिक अतीत विश्व के लिए प्रेरक रहा है और इसलिए देश को लोकतंत्र की जननी के रूप में जाना जाता है। हमारी सरकार के निर्णयों में लगातार भारत की एकता को मजबूती देने का प्रयास किया जाता रहा है, अनुच्छेद 370 एकता में रुकावट बना हुआ था और इसलिए हमने जमीन में गाड़ दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि संविधान निर्माताओं के दिमाग में एकता की भावना थी, लेकिन आजादी के बाद देश की एकता के मूल भाव पर प्रहार हुआ और गुलामी की मानसिकता में पले–बढ़े लोग विविधता में एकता की जगह विरोधाभास खोजते रहे। पीएम मोदी ने कहा कि हमने संविधान की एकता की भावना के अनुरूप नई शिक्षा नीति में मातृभाषा को बहुत बल दिया है और अब गरीब परिवार के बच्चे मातृभाषा में पढ़ाई करके डॉक्टर–इंजीनियर बन सकते हैं।

## 'बेस्ट ऑफ बस्ती अवॉर्ड्स' बस्ती के असली नायकों को पहचानने का अवसर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ और लीड यू फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में "बेस्ट ऑफ बस्ती अवॉर्ड्स" का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड के माध्यम से बस्ती जिले के उन व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर जिले का नाम गौरवान्वित किया है।

इस अवॉर्ड के लिए नामांकन प्रक्रिया 30 जनवरी 2025 तक खुली रहेगी। इसमें केवल व्यक्तियों को ही नामित किया जा सकता है, किसी भी संस्था को नामांकन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही, नामांकित व्यक्ति का मूल निवास बस्ती होना अनिवार्य है। यह भी ध्यान रखा जाए कि कोई भी व्यक्ति स्वयं का नामांकन नहीं कर सकता, लेकिन किसी अन्य योग्य व्यक्ति का नामांकन कोई भी कर सकता है।

"बेस्ट ऑफ बस्ती अवॉर्ड्स" के तहत शिक्षा क्षेत्र, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, समाज सेवा, कला एवं संस्कृति, खेल, उद्यमिता एवं स्टार्टअप, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सरकारी सेवा, पर्यावरण संरक्षण, साहित्य, महिला सशक्तिकरण, युवा नेतृत्व, कृषि क्षेत्र, पत्रकारिता, विधि क्षेत्र और सोशल मीडिया जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में नामांकित व्यक्ति की उपलब्धियों और समाज पर उसके सकारात्मक प्रभाव को मुख्य मानदंड माना जाएगा, और इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की गई है।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेष कुमार पाण्डेय ने बताया, "इस अवॉर्ड का उद्देश्य बस्ती के उन असली नायकों को पहचानना और सम्मानित करना है, जिन्होंने अपने–अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर समाज और जिले को प्रेरणा दी है। यह पहल बस्ती के नागरिकों में गर्व और प्रेरणा का भाव उत्पन्न करेगी।"

नामांकन के लिए इच्छुक लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयनित व्यक्तियों की घोषणा और सम्मान समारोह की तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी।

## अंग्रेजी रिमीडियल टीचिंग पर आधारित प्रशिक्षण में 337 शिक्षक प्रशिक्षित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में चल रहे तीन दिवसीय अंग्रेजी भाषा की रिमीडियल टीचिंग पर आधारित प्रशिक्षण के प्रथम बैच का समापन शनिवार को हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को रिमीडियल शिक्षण के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना और छात्रों में अंग्रेजी भाषा कौशल को सुदृढ़ करना है।प्रशिक्षण में संदर्भदाता के रूप में एसआरजी आशीष श्रीवास्तव और उमा शंकर ने रेमीडियल कक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। बताया कि रेमेडियल शिक्षण कमजोर छात्रों के लिए किस प्रकार सहायक सिद्ध हो सकता है। एआरपी अविनाश चंद्र दुबे और संदीप सिंह ने नेमिंग वर्ड्स, सिंगुलर–प्लूरल और जेंडर जैसे विषयों पर चर्चा की। संदर्भदाता संजय चौहान और शशि वर्मा ने वाक्य रचना के विकास पर अपने विचार प्रस्तुत किए। एसएन पाण्डेय और संतोष सिंह ने टीचिंग कंपोजिशन के विभिन्न तरीकों और महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी डॉ. रविनाथ त्रिपाठी ने बताया कि यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण था, जिसमें प्रत्येक दिन अलग–अलग विषयवस्तु पर केंद्रित सत्र आयोजित किए गए। इस प्रकार के प्रशिक्षण शिक्षकों की क्षमता विकास में सहायक सिद्ध होंगे और बच्चों की शैक्षणिक दक्षता में सुधार करेंगे। बताया कि प्रथम बैच में कुल 337 शिक्षक प्रशिक्षित किए गए हैं। द्वितीय बैच का प्रशिक्षण सोमवार से प्रारंभ किया जाएगा।

इस अवसर पर अलीउद्दीन, कल्याण पाण्डेय, शशि दर्शन त्रिपाठी, अमन सेन, डॉ गोविन्द, मो इमरान खान, डॉ ऋचा शुक्ला, वंदना चौधरी, कुलदीप चौधरी, कनिष्क सहायक नवनीत वर्मा, रमाकांत गौतम उपस्थित रहे।

## संसद में राहुल गांधी ने उठाया हाथरस और संभल का मुद्दा, बोले- यूपी में संविधान नहीं, मनुस्मृति लागू

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को लोकसभा में हाथरस और संभल का मामला उठाया। कहा मुख्यमंत्री योगी झूठ बोल रहे हैं। यूपी में संविधान नहीं मनुस्मृति लागू है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को लोकसभा में हाथरस और संभल का मामला उठाया। राहुल ने हाथरस मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सीधा हमला बोला और कहा कि हाथरस के गैंगरेप मामले में मुख्यमंत्री ने झूठ बोला है। भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने यहां तक कहा कि यूपी में संविधान नहीं मनुस्मृति लागू है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं हाथरस गया था। वहां चार साल पहले एक लड़की का गैंगरेप होता है। तीन–चार लोग गैंगरेप करते हैं। जिन्होंने गैंगरेप किया, वे बाहर घूम रहे हैं और लड़की का परिवार अपने घर में बंद है। लड़की का परिवार बाहर नहीं जा सकता है। अपराधी रोज उन्हें धमकाते हैं और बाहर घूमते हैं। परिवार ने मुझे बताया कि बेटी का अंतिम संस्कार भी नहीं करने दिया। मुख्यमंत्री ने इसके बारे में मीडिया में खुलकर झूठ बोला है। राहुल ने कहा कि यह संविधान में कहां लिखा है कि जो बलात्कार करते हैं वो बाहर रहें और जिसका रेप हुआ है, उस परिवार को बंद कर दिया जाए। यह मनुस्मृति में लिखा हैं, लेकिन संविधान में नहीं लिखा है। अगर आप कहते हो कि यूपी में आपका राज है तो यूपी में संविधान नहीं लागू होता है। वहां मनुस्मृति लागू हो रही है। राहुल ने परिवार के हवाले से कहा कि यूपी सरकार ने वादा किया था कि रहने के लिए कहीं और जमीन देंगे। आज चार साल हो गए हैं लेकिन उनका रिलोकेशन नहीं हुआ है। हर रोज वह बाहर निकलते हैं और जिन्होंने बलात्कार किया वह धमकाते हैं। कहां लिखा है संविधान में की दलित परिवार को बंद करके रखना है और उनके अपराधियों को खुला छोड़ देना है। राहुल गांधी ने कहा कि हम लोग मिलकर संविधान की रक्षा करते हैं। अगर सरकार उनका रिलोकेशन नहीं करती तो हम इंडिया गठबंधन के लोग करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि हर गरीब की रक्षा संविधान करता है। लेकिन बीजेपी के लोग संविधान पर हमला करते रहते हैं। संविधान में लिखा है कि आप धर्म जाति के आधार पर किसी से भेदभाव नहीं करेंगे। लेकिन असलियत यह है कि संभल में नौजवानों को गोली मारकर हत्या कर दी गई। जहां भी आप (भाजपा वाले) जाते हैं एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाते हैं।

## चंद पूंजीपतियों पर केन्द्रित है भाजपा का विकास एजेंडा– ज्ञानेन्द्र पाण्डेय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। धार्मिक भावनाएं भड़काकर उन्माद फैलाना और बहुसंख्यक हिन्दू समाज का वोट लेकर सत्ता हासिल करना भाजपा का खास एजेंडा है। भाजपा न तो विकास चाहती है और न ही बुनियादी मुद्दों पर बहस को तैयार है। भाजपा के विकास का एजेंडा तथाकथित पूंजीपतियों तक केन्द्रित है। यह बातें कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कही। वे पार्टी दफ्तर पर मीडिया को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होने कहा बेरोजगारी, खेती किसानी, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, बिजली कम्पनियों के निजीकरण, ध्वस्त कानून व्यवस्था, बीमार स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े ज्वलन्त मुद्दों पर प्रदेश की योगी सरकार कुम्भकर्णी नींद में है। उसे जगाने के लिये प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में हर जिले से कांग्रेस पार्टी के लोग विधानसभा का घेराव करने 18 दिसम्बर को लखनऊ पहुंच रहे हैं। इसमें सैकड़ों लोग बस्ती से लखनऊ जायेंगे। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डा. आलोक रंजन वर्मा ने कहा भाजपा सरकार के एजेंडे में विकास नही है, भाजपा धर्म से ऊपर उठकर कार्य नही कर सकती। सच्चाई ये है कि भाजपा को यह भी पता कि धर्म क्या है। भाजपा को न तो जनता की फिक्र है, न कानून व्यवस्था की और न ही जनता के बुनियादी जरूरतों की।

केन्द्र की भाजपा सरकार चंद पूंजीपतियों के हाथ कठपुतली बन चुकी है। इसका खामियाजा देश की 140 करोड़ जनता भोग रही है। हम 18 दिसम्बर को विधानसभा का घेराव कर उत्तर प्रदेश की अहंकारी व दमनकारी सरकार को नींद से जगाकर यह बताने का प्रयास करेंगे कि विकास को धर्म के चश्मे से देखने का प्रयास न करें। जाति, धर्म से ऊपर जनता की बुनियादी जरूरतों, महगाई, कानून व्यवस्था, बेहतर स्वास्थ्य सेवायें, भ्रष्टाचार मुक्त विकास, बेरोजगारी, खाद बीज की उपलब्धता सहित और भी मुद्दे हैं जिस पर सरकार को काम करना होगा। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी वृजेश आर्या ने कहा उ.प्र. की स्वास्थ्य सेवायें, बदहाल हैं, मेडिकल कालेज रेफरल हॉस्पिटल बन गये हैं, कानून व्यवस्था इतनी बदतर हो गई है कि प्रशासनिक अफसरों के सामने पीड़ित आत्महत्या जैसे खौफनाक कदम उठा रहे हैं। ऐसे में सरकार को उसकी जिम्मेदारी का अहसास कराने हम कांग्रेसी 18 दिसम्बर को लखनऊ कूंच करेंगे। इससे पहले पार्टी अध्यक्ष ने बैठक कर लोगों को लखनऊ का कार्यक्रम सफल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी। इसमें प्रमुख रूप से प्रवक्ता मो. रफीक खां, लालजीत पहलवान, नर्वदेश्वर शुक्ल, सुरेन्द्र मिश्रा, गिरजेश पाल, अवधेश सिंह, विश्वनाथ चौधरी, शौकत अली नन्हू, शकुन्तला देवी, अतीउल्लाह सिद्धीकी, गुड्डू सोनकर, शकुन्तला देवी, आशुतोष पाण्डेय एडवोकेट, सुधीर यादव, दूधनाथ पटेल, डा. मारुफ अली, सद्दाम हुसेन, सुनील पांडे, मंजू पाण्डेय, विनय तिवारी, डा. वाहिद, संजीव त्रिपाठी, डीएन शास्त्री, अशोक श्रीवास्तव, लक्ष्मी यादव आदि उपस्थित रहीं।

## विद्यार्थियों को एएसपी, विधायक ने दिए सफलता के टिप्स

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधानसभा के संत तुलसीदास इंटर कॉलेज बस्थनवाँ के परिसर में सफलता की कुंजी अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन हरैया विधायक अजय सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रधानाचार्य विनोद कुमार पाठक की अगुवाई में सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के विद्यार्थी हैं यदि आप सभी बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंको से उत्तीर्ण हो जाते हैं तो यह भी सफलता है। लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए यह नींव है यदि आप अपने हाईस्कूल, इंटरमीडिएट कक्षाओं के विषय वस्तु को मजबूती से तैयार करेंगे तो निश्चित तौर पर आपका भविष्य उज्ज्वल होगा। कहा कि सफलता का अर्थ बहुत ही व्यापक है। यदि इरादा मजबूत हो तो सफलता निश्चित है। विधायक ने संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी विषय को नजरअंदाज ना करें बल्कि सभी विषयों को समान रूप से पढ़ें तभी आपके अंक अच्छे आएंगे। कहा कि आप सभी योजना बनाकर पढ़ाई करें और योजना आज ही बनाएं क्योंकि कुमार पाण्डेय, शशि भूषण सिंह, सर्वेश कुमार पाण्डेय, मोहम्मद सफी, ध्रुव कुमार मिश्र, सूर्य प्रताप नारायण पाण्डेय, अखिलेश सिंह, भरत सिंह, निर्मल सिंह आदि मौजूद रहे।

## इरादे मजबूत हों तो सफलता निश्चित है –ओम प्रकाश सिंह

सभी के सपने पूरे होंगे।

इस अवसर पर लक्ष्मण पाण्डेय, सन्तोष कुमार शुक्ल, श्याम शंकर पाल, पुरुषोत्तम आर्य, अशोक गुप्ता, विनोद कुमार त्रिपाठी, विनोद कुमार, आशुतोष श्रीवास्तव, अवधेश

## एसजीपीजीआई का स्थापना दिवस समारोहः सीएम योगी आदित्यनाथ बोले– तैयारी इतनी शालीनता से करो कि सफलता शोर मचा दे

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) का 41वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। उनके साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संजय गांधी पीजीआई से देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य में स्वास्थ्य का मानक तय करता है। कोरोना महामारी के दौरान 36 जनपदों में आईसीयू नहीं थे। ऐसे में संस्थान के निदेशक ने सुझाव दिया कि हम लोग टेली आईसीयू चला सकते हैं। उनकी सहायता से प्रदेश में वर्चुअल आईसीयू प्रारंभ किया था। इससे हजारों लोगों की जान को बचाने में मदद मिली थी।

उन्होंने कहा कि देश का यह पहला संस्थान है जिसे सीएसआर से पांच सौ करोड़ मिले हैं। इस दौरान सीएम योगी ने छब्बीस डॉक्टरों को संबोधित करते हुए एक दार्शनिक की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि जीत की तैयारी इतने शालीनता के साथ करो कि आपकी सफलता शोर मचा दे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि युवाओं को अपनी जीवन शैली सुधारने के लिए कहा।

स्थापना दिवस पर विशाखापट्टनम के गीतम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च की प्रो वाइस चांसलर प्रो. डॉ. गीतांजलि बैटमैन बाने ने मुख्य भाषण दिया। इस मौके पर शोध दिवस में अच्छे पेपर प्रस्तुत करने वाले 19 शिक्षक और 24 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. आरके धीमन ने सभी का आभार जताया। पिछले साल की उपलब्धियों का ब्योरा पेश किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉक्टरों को ब्रेन डेड व्यक्तियों के घरवालों को जागरूक करने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों के शरीर का अंतिम संस्कार कर दिया जाता है। इसके चलते वह शरीर किसी के काम नहीं आ पाता है। अगर अंगदान हो जाए तो एक ब्रेन डेड व्यक्ति से कई जरूरतमंदों को नया जीवन मिल सकता है। अगर नेता अंगदान की बात करते हैं तो उसे कम गंभीरता से लिया जाता है। वहीं अगर डॉक्टर यह बात कहेंगे तो उसे ठीक तरह से लिया जाएगा। यह इलाज से हटकर सामाजिक जिम्मेदारी है जिसे डॉक्टरों को निभाना चाहिए। हालांकि अभी भी काफी डॉक्टर यह काम कर रहे हैं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 दिसम्बर 2024 रविवार

## सम्पादकीय

### दहेज कानून और पुरुष

कोई भी कानून समाज और पारिवारिक ताने–बाने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से बनाया जाता है, मगर जब उसका दुरुपयोग होने लगता है, तो वही कानून सामाजिक बुनियाद के लिए गंभीर खतरा भी पैदा कर देता है। देश की सर्वोच्च अदालत ने मंगलवार को तेलंगाना हाईकोर्ट के एक फैसले को खारिज करते हुए कहा कि दहेज कानून का दुरुपयोग बंद होना चाहिए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब बेंगलुरु में नौकरी कर रहे बिहार के एक इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या का मामला देशभर में गूंज रहा है।

अतुल सुभाष के विरुद्ध उसकी पत्नी ने दहेज उत्पीड़न तथा हत्या के प्रयास समेत नौ मामले दर्ज करवाए थे। दहेज प्रताड़ना के 2023 के पहले दर्ज मामले आईपीसी की धारा 498 के तहत चलाए जाते थे, भारतीय न्याय संहिता बन जाने के बाद अब दहेज प्रताड़ना के मामलों को धारा 85–86 के तहत दर्ज किया जाता है। यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि दहेज प्रथा भारतीय समाज के लिए एक कलंक बन गई है। लड़का–लड़की दोनों ने एक दूसरे के परिवार को प्रताड़ित करने के लिए इस कुप्रथा को मजबूत हथियार बना लिया है। हालांकि इस कानून का मूल उद्देश्य महिलाओं को दहेज उत्पीड़न से बचाना है और काफी हद तक इस कानून ने प्रभावशाली ढंग से काम किया और आज भी दहेज जैसी कुप्रथा के विरुद्ध असरदार बना हुआ है।

2015 और 2023 के बीच दहेज प्रताड़ना के करीब सवा लाख मामले गांवों से लेकर महानगरों में उच्चशिक्षित से लेकर अल्पशिक्षित परिवारों ने दर्ज करवाए। दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए सख्त कानून बनाने के अलावा केंद्र तथा राज्य सरकारों ने सामाजिक संगठनों की मदद से व्यापक जन जागरूकता भी की, लेकिन समाज के बदलते स्वरूप, पारिवारिक तथा व्यक्तिगत आकांक्षाओं के चलते परिवार में टकराव भी बढ़ने लगे। इससे तलाक के मामले तो बढ़ ही रहे हैं, साथ ही दहेज प्रताड़ना के मामले भी बहुत बड़ी संख्या में पुलिस–अदालतों के सामने पहुंचने लगे।

बेंगलुरु की आईटी कंपनी में इंजीनियर अतुल सुभाष के सुसाइड केस ने दहेज कानून के लगातार बढ़ते दुरुपयोग की चर्चा को फिर उभार दिया है. पति–पत्नी और मायके–ससुराल वालों की अनबन के बीच दहेज अधिनियम की धारा 498ए एक हथियार बन गई है, जो एक्ट को बनाए जाने के मकसद पर ही चोट कर रही है. दहेज उत्पीड़न के कई सालों से चल रहे केस में अपने और परिवार के मानसिक उत्पीड़न से अतुल सुभाष हार गए। दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 देश में एक मई 1961 को प्रभावी बनाया गया था. यह दहेज की कुप्रथा के खिलाफ रोक का पूरे देश में लागू करने का कानून था. इसके तहत दहेज प्रथा पर रोक और दहेज की वजह से लड़कियों के शोषण–उत्पीड़न पर रोक लगाना इसका उद्देश्य था। दहेज के लिए लड़कियों को मारने–पीटने, मार डालने या मानसिक उत्पीड़न जैसे मामलों को लेकर यह कानून लाया लाया गया था. इसमें दहेज के लेनदेन को अपराध बनाया गया था. इस कानून में बार–बार संशोधन भी किया गया है।

इन सबके बीच दहेज कानून का सामना कर रहे लोगों की आत्महत्या के मामले भी सामने आने लगे। पिछले दो दशकों में अदालतों ने दहेज उत्पीड़न के मामलों की सुनवाई के दौरान यह पाया कि पति से मनमुटाव के बाद बदला लेने की नीयत से भी दहेज प्रताड़ना के झूठे मामले दर्ज करवाए जा रहे हैं। भारतीय संस्कृति में परिवार तथा विवाह संस्था का महत्वपूर्ण स्थान है। इस दिशा में कानून तो अपना काम कर ही रहा है, परिवार और समाज को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी कानून का दुरुपयोग न हो तथा विवाह संस्था की पवित्रता बरकरार रहे। विवाह संस्था भी महिला सुरक्षा तथा सशक्तिकरण का मजबूत मंच है। उसे और मजबूत करना समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस दिशा में नये सिरे से पहल की जरूरत है।

# स्कूली शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की जरूरत

–प्रियंका सौरभ–

कोठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एकरूपता की नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को खघ्त्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना–आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया।

समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को खघ्त्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहु–विषयक सीखने और लचीलेपन पर जोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएँ हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहाँ कई ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढाँचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50: बच्चे ही बुनियादी पाठ पढ़ सकते हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं।

इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी–विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या–समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में, परीक्षाएँ अनुप्रयोग–आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियाँरू शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजूद, तकनीकी बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिएरू डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट की पहुँच और डिवाइस की पहुँच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क सीमित हो जाता है।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता वास्तविक दुनिया के कौशल के साथ संरेखण की मांग करती है। आमूलचूल परिवर्तन छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय व्यावहारिक कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, शिक्षा को वास्तविक दुनिया की मांगों के साथ संरेखित कर सकता है। फिनलैंड की शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक कौशल और हाथों से सीखने पर जोर देती है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों की अधिक सहभागिता और रोजगार क्षमता होती है। आमूलचूल सुधार लचीले शिक्षा मार्ग प्रदान कर सकते हैं, जिससे छात्रों को उनकी रुचियों के आधार पर अलग–अलग सीखने के मार्ग अपनाने की अनुमति मिलती है। जर्मनी की दोहरी शिक्षा प्रणाली व्यावसायिक शिक्षा और अकादमिक शिक्षा के बीच संतुलन प्रदान करती है, जिससे रोजगार क्षमता में सुधार होता है। अधिक छात्र–केंद्रित दृष्टिकोण में बदलाव से छात्रों में रचनात्मक सोच, समस्या–समाधान और आलोचनात्मक तर्क को बढ़ावा मिलेगा। इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (पठ) कार्यक्रम रचनात्मकता, संस्कृति और संज्ञानात्मक कौशल सहित छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

आमूलचूल परिवर्तन उच्च–दांव वाली परीक्षाओं से दूर जा सकता है और अधिक निरंतर मूल्यांकन विधियों को अपना सकता है, जिससे छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। सिंगापुर ने छात्रों के प्रदर्शन को मापने, तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निरंतर मूल्यांकन रणनीतियों को लागू किया है। आमूलचूल परिवर्तन से पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी–संचालित शिक्षा को शामिल किया जा सकता है, जिससे पहुँच और सहभागिता बढ़ सकती है। कौशल–आधारित शिक्षा को शामिल करने जैसे पारंपरिक सुधारों से परे अभिनव समाधान। शुरुआती चरण में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल–आधारित शिक्षा शुरू करने से छात्रों को व्यावहारिक क्षमताओं से लैस किया जाएगा, जिससे वे कार्यबल के लिए तैयार होंगे। दक्षिण कोरिया तकनीकी शिक्षा को मिडिल स्कूल से अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है, जिससे एक कुशल कार्यबल तैयार होता है। ऑफलाइन और ऑनलाइन सीखने का संयोजन शैक्षिक विभाजन को पाट सकता है, जिससे जुड़ाव और पहुँच बढ़ सकती है।

स्कूलों में मिश्रित शिक्षा दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को आमने–सामने बातचीत से लाभान्वित करते हुए डिजिटल सामग्री तक पहुँचने की अनुमति देती है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग स्कूलों के लिए बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षण और संसाधनों को बढ़ा सकता है, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। ब्रिटिश काउंसिल भारतीय राज्यों के साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार और वैश्विक शिक्षण मानकों को पेश करती है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर शिक्षण परिणाम मिलेंगे। उदाहरण के लिए– जापान ने अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों के कल्याण और प्रदर्शन में सुधार हुआ है। स्थानीयकृत शिक्षा मॉडलरू क्षेत्रीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप शिक्षा प्रणालियों को तैयार करने से जुड़ाव और प्रासंगिकता में सुधार होगा।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आमूलचूल सुधारों की आवश्यकता है। फिनलैंड के छात्र–केंद्रित दृष्टिकोण और दक्षिण कोरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए, भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए नेप 2020 के दृष्टिकोण के साथ मिलकर समावेशी और टिकाऊ शैक्षिक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

# राजकपूरः नीली आंखों का वो रंगीन जादू

–हेमंत पाल–

भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े फिल्ममेकर रहे राज कपूर ने सिर्फ हिंदी सिनेमा को ही समृद्ध नहीं किया, बल्कि विश्व सिनेमा पर भी अमिट छाप छोड़ी। द ग्रेटेस्ट शोमैन नाम से मशहूर इस स्वप्नीली नीली आंखों वाले बहुमुखी कलाकार ने फिल्म मेकिंग, एक्टिंग और निर्देशन में ऐसा कमाल किया, जो आज भी प्रेरक है। उनकी जन्मशती के मौके पर आरके फिल्म्स, फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन और एनएफडीसी साथ मिलकर खास उत्सव मना रहे हैं। इसमें उनकी 10 चुनिंदा फिल्में प्रदर्शित की जा रही हैं। राज कपूर का जन्म 14 दिसंबर 1924 को हुआ और 1988 में निधन हो गया था। आज वे होते तो 100 साल के होते। सिनेमा के ग्रेटेस्ट शोमैन राज कपूर के बारे में जिन्हें लगता था कि उनके बाद हिंदी फिल्मों का शो थम जाएगा, वे कहीं न कहीं गलत थे। लेकिन, यदि वे आज जीवित होते, तो देखते कि फिल्म प्रशंसक उनकी सौ वीं जयंती मना रहे हैं। 'मेरा नाम जोकर' में उन्होंने सच कहा था 'कल खेल में हम हों न हों गर्दिश में सितारे रहेंगे सदा' और जाइएगा नहीं शो अभी खत्म नहीं हुआ। अब लगने लगा कि राज कपूर ने खेल खेल ही में ही, लेकिन सच ही कहा था कि शो अभी खत्म नहीं हुआ! उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर आरके फिल्म्स, फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन और एनएफडीसी एक साथ मिलकर एक खास उत्सव मना रहे हैं। इसमें 40 शहरों के 135 सिनेमाघरों में राज कपूर की 10 फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। 'राज कपूर 100 रू सेलिब्रेटिंग द सेंटेनरी ऑफ द ग्रेटेस्ट शोमैन' नाम का यह उत्सव 13 दिसंबर को शुरू हुआ और 15 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान उनकी फिल्मों की स्क्रीनिंग पीवीआर–आईनॉक्स और सिनेपोलिस सिनेमाघरों में हो रही है जिसमें आग, बरसात, आवारा, श्री 420, जागते रहो, जिस देश में गंगा बहती है, संगम, मेरा नाम जोकर, बॉबी और 'राम तेरी गंगा मैली' का प्रदर्शन किया जा रहा है।

राज कपूर के बेटे रणधीर कपूर ने कहा भी है कि राज कपूर सिर्फ फिल्ममेकर नहीं, दूरदर्शी थे। उन्होंने भारतीय सिनेमा को भावनात्मक परंपरा को आकार दिया। उनकी कहानियां केवल फिल्में नहीं, बल्कि भावनात्मक यात्राएं हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं। यह उत्सव उनके नजरिये को हमारी छोटी सी श्रद्धांजलि है। उनके पोते रणबीर कपूर ने कहा कि हमें गर्व है, कि हम राज कपूर परिवार के सदस्य हैं। हमारी पीढ़ी एक ऐसे दिग्गज के कंधों पर खड़ी है, जिनकी फिल्मों ने अपने समय की भावनाओं को दर्शाया और दशकों तक आम आदमी को आवाज दी। उनकी टाइमलेस कहानियां प्रेरणा देती रहती हैं, और यह फेस्टिवल उस जादू का सम्मान करने और सभी को बड़े पर्दे पर उनकी विरासत का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करने का हमारा एक तरीका है। निर्देशक, निर्माता और कलाकार के रूप में, राज कपूर आजादी के बाद के पहले दो दशकों में भारतीय सिनेमा के 'स्वर्ण युग' के दौरान भारत के अग्रणी फिल्म निर्माताओं में से एक बने। उनकी फिल्मों में सिक्के के दो पहलू दिखाए गए। जिसका एक पहलू आजादी के युग की आकांक्षाओं के दर्शन कराता है। दूसरा, हिंदी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के सामने आईना रखता है। उनका सिनेमा रोमांटिक होने के बावजूद कथानक और घटनाक्रम के रूप में सात्विक था।

राज कपूर की शुरुआती फिल्में लोकप्रिय संगीत और मेलोड्रामा के मिश्रण में गरीबी और जाति के बारे में जनजागरण लाने का प्रयास करती रही। 'श्री 420', 'जागते रहो', 'बूट पालिश' से लेकर 'आवारा' और 'जिस देश में गंगा बहती है' इसके बेहतरीन उदाहरण हैं। इससे राज कपूर ने दुनियाभर में भारतीय फिल्मों का झंडा फहराया। उनके बाद की फिल्मों की चकाचौंध ने उन्हें हिन्दी फिल्मों के ग्रेटेस्ट शोमेन का दर्जा दिया। मदभरे गीत संगीत और दिल छूने वाली कहानियों के साथ प्रेम प्रसंगों के चलते राज कपूर बेहद लोकप्रिय हो गए। इस दौरान बड़ी स्टार अभिनेत्री नरगिस के साथ उनकी ऑन–स्क्रीन जोड़ी भी बनी। 1950 के दशक के मध्य में 'आवारा' और 'श्री 420' की रिलीज के बाद राज कपूर न केवल भारत में बल्कि पूरे दक्षिण एशिया, अरब, ईरान, तुर्की, अफ्रीका को सोवियत संघ में भी एक मशहूर हस्ती थे।

उनकी सबसे बड़ी सफलता और खासियत थी उनके काम करने का उम्दा स्टाइल। मसलन 'जिस देश में गंगा बहती है' की कहानी सुनने के बाद शंकर जयकिशन ने यह कहा था कि बेहतर होगा वह इसका संगीत किसी दूसरे संगीतकार को दें, क्योंकि इसमें गानों की सिचुएशन ही नहीं है। इसी कथानक में राज कपूर ने सात दिन में ग्यारह गानों की सिचुएशन निकालकर सभी को अचंभित कर दिया। कहा जाता है कि वह अपनी फिल्मों के संगीत को दर्शकों से पास करवाकर कथानक का हिस्सा बनाते थे। उनकी फिल्मों में आम आदमी के सपने, गांव और शहर के बीच का संघर्ष और भावनात्मक कहानियां जीवंत हो उठती थीं।

राज कपूर का जन्म पठानी हिन्दू परिवार में हुआ था। पांच भाइयों और एक बहन में सबसे बड़े राज कपूर ने अपनी शिक्षा सेंट जेवियर्स कॉलेजिएट स्कूल, कोलकाता और कर्नल ब्राउन कैंब्रिज स्कूल देहरादून से ली। बाद में 1930 के दशक में उन्होंने बॉम्बे टॉकीज में क्लैपर–बॉय और पृथ्वी थिएटर में एक अभिनेता के रूप में काम किया, ये दोनों कंपनियां उनके पिता पृथ्वीराज कपूर की थीं। राज कपूर ने बाल कलाकार के रूप में इंकलाब (1935) और हमारी बात (1943), गौरी (1943) में छोटी भूमिकाएं की। फिर फिल्म वाल्मीकि (1946), नारद और अमरप्रेम (1948) में कृष्ण की भूमिका निभाई थी। उनका इरादा था कि स्वयं निर्माता–निर्देशक बनकर फिल्म निर्माण करें। उनका सपना 24 साल की उम्र में फिल्म आग (1948) के साथ पूरा हुआ। जिसमें उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई, निर्माण और निर्देशन भी स्वयं किया था। इसके बाद चेम्बूर में 1950 में अपने आरके स्टूडियो की स्थापना की और 1951 में 'आवारा' में रूमानी नायक के रूप में ख्याति पाई।

# ऊर्जा आत्मनिर्भरता आवश्यक

–डॉ. शशांक द्विवेदी–

पिछले लगभग दो साल से यूक्रेन–रूस युद्ध जारी है। इस्राइल का हमास (फलस्तीन) दृ ईरान हिज्बुल्ला के बीच भी संघर्ष चल रहा है। पूरे पश्चिम एशिया में अशांति का दौर जारी है। इन युद्ध और संघर्षों के कारण से अभी भी यूरोप बिजली, प्राकृतिक गैस और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। पिछले कुछ समय से पूरी दुनिया महंगाई और ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। भारत तो अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से भी अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है।

भारत काफी सालों से अक्षय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करता जा रहा है। पिछले दिनों एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 10 अक्तूबर तक 200 गीगावाट के आंकड़े को पार कर गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है कि देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 452.69 गीगावाट है, जिसमें लगभग आधी हिस्सेदारी अक्षय ऊर्जा स्रोतों की हो गई है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार अक्षय ऊर्जा के मामले में सौर ऊर्जा देश में पहले स्थान पर है। सौर ऊर्जा उत्पादन के मामले में आज भारत दुनिया में पांचवें स्थान पर है। सौर ऊर्जा के बाद नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सर्वाधिक विकास पवन ऊर्जा का हुआ है। देश में इसकी स्थापित क्षमता 47.36 गीगावाट है। आज पवन ऊर्जा की स्थापित क्षमता के मामले में भारत चीन, अमेरिका और जर्मनी के बाद चौथे स्थान पर है।

किसी भी देश के आधारभूत विकास के लिए ऊर्जा का सतत और निर्बाध प्रवाह बहुत जरूरी है। देश में प्रति व्यक्ति औसत ऊर्जा खपत वहां के जीवन स्तर का सूचक होती है। बढ़ती आबादी के उपयोग के लिए और विकास को गति देने के लिए हर हमारी ऊर्जा की मांग भी बढ़ रही है। द्रुतगति से देश के विकास के लिए औद्योगीकरण, परिवहन और कृषि के विकास पर ध्यान देना होगा। इसके लिए ऊर्जा की भी आवश्यकता है। देश में बिजली की मांग भी वर्तमान उपलब्धता से कहीं अधिक है। आवश्यकता के अनुरूप बिजली का उत्पादन नहीं हो रहा है। कोविड महामारी का दुष्प्रभाव लगभग खत्म होने के बाद से भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी आई है जिस कारण से बिजली की मांग भी बढ़ी है। आने वाले समय में भारत में बड़ा बिजली संकट पैदा हो सकता है। यही कारण है कि भारत सहित दुनियाभर में अब ऊर्जा के गैर–अक्षय संसाधनों के मुकाबले अक्षय ऊर्जा संसाधनों की मांग निरंतर तेजी से बढ़ रही है।

ऊर्जा उत्पादन के साथ–साथ ऊर्जा संरक्षण पर भी ध्यान देना होगा। अपना भविष्य उज्ज्वल बनाए रखने के लिए वर्तमान परिस्थितियों में सभी तरह की ऊर्जा तथा ईंधन की बचत अत्यंत आवश्यक है। आज हम बचत करेंगे तो ही भविष्य सुविधाजनक रह पाएगा। दैनिक जीवन में उपयोग के लिए जीवाश्म ईंधन, कच्चे तेल, कोयला, प्राकृतिक गैस इत्यादि ऊर्जा स्रोतों द्वारा पर्याप्त ऊर्जा उत्पन्न की जा रही है, लेकिन ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में इन ऊर्जा संसाधनों की अत्यधिक कमी होने या इनके समाप्त होने का भय पैदा हो गया है।

वस्तुतः ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। भोजन, प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार, सुख संसाधन, पर्यटन जैसी आवश्यकताओं में भी ऊर्जा के विभिन्न रूपों ने हमारी जीवनशैली में अनिवार्य स्थान बना लिया है। इन सबमें भी बिजली ऊर्जा वह प्रकार है जो सबसे सुगमता से हर कहीं सदैव हमारी सुविधा हेतु सुलभ है। यही कारण है कि अन्य ऊर्जा विकल्पों को बिजली में बदलकर ही उपभोग किया जाता है।

वास्तव में यदि ऊर्जा का उपयोग सोच–समझ कर नहीं किया गया तो इसका भंडार जल्द ही समाप्त हो सकता है। प्रकृति पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही हमारी भावी पीढ़ियों का भी है। जब हम अपने पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों के फल खाते हैं, उनकी संजोई धरोहर का उपभोग करते हैं तो हमारा नैतिक दायित्व है कि हम भविष्य के लिए भी नैसर्गिक संसाधनों को सुरक्षित छोड़कर जाएं, कम से कम अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका दुरुपयोग न करें, अन्यथा भावी पीढ़ी और प्रकृति हमें कभी माफ नहीं करेगी।

आज भारत 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' का सफल नेतृत्व कर रहा है। परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों और भविष्य में इसके समाप्त होने के भय का समाधान अक्षय ऊर्जा में ही निहित है। हालांकि, नवीकरणीय ऊर्जा में सकारात्मक प्रगति के बावजूद भारत की जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता 'नेट जीरो' के लक्ष्य में बाधक बन सकती है। 'पंचामृत' पहल के तहत केंद्र सरकार सीओपी–26 सम्मेलन में घोषित कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी करने, 2030 तक गैर–जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक ले जाने, अपनी ऊर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करने, अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा 2070 तक 'नेट जीरो' कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में प्रतिबद्धता से जुटी है।–लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं।

# एक तरफा प्यार में बौखलाए युवक ने नाबालिग छात्रा की गला रेत की हत्या

**संवाददाता–बलरामपुर।** एक तरफा प्यार में बौखलाए युवक ने नाबालिक छात्रा की धारदार औजार से गला रेत हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद छात्रा के शव को कंधे पर लादकर कर घर की ओर चल पड़ा। स्कूल जा रहे अन्य छात्रों ने युवक के कंधे पर शव देखकर शोर मचाया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने युवक को पड़कर उसकी जमकर धुनाई की। बाद में पुलिस ने हत्यारोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। घटना थाना देहात क्षेत्र के समदा गांव निकट ऐहलहवा मोड़ के पहले शनिवार सुबह 8रू00 बजे हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। समदा गांव के मजरे लोनियन पुरवा निवासी रामदीन की 14 वर्षीय पुत्री मधू बलरामपुर स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा थी। वह घर से चलकर ऐहलहवा मोड तक साइकिल से आती थी। वहां से वह स्कूल बस में सवार हो जाती थी। गांव का ही युवक 19 वर्षीय धर्मपाल चौहान उसे अक्सर परेशान करता रहता था। धर्मपाल बात करना चाहता तो मधू उसे मना कर देती थी। इस बात को लेकर ध र्मपाल नाराज रहता था। शनिवार सुबह मधू साइकिल से ऐहलहवा मोड़ के लिए निकली थी। धर्मपाल ने उसे रास्ते में रोक लिया और मध ु को घसीटता हुआ गन्ने के खेत में ले गया। उसने चाकू से गला रेत मधु की हत्या कर दी। शव को कंध ो पर लादकर घर की ओर चल पड़ा। स्कूल जा रहे अन्य छात्रों ने ध र्मपाल के कंधे पर मधु का शव देखकर शोर मचाया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने धर्मपाल को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने धर्मपाल को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव ने बताया कि मधु के भाई हरीश चौहान की तहरीर पर धर्मपाल चौहान के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज किया गया है। उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

# फार्मर रजिस्ट्री योजना की प्रगति देखकर डीएम खफा

**संवाददाता–बहराइच।** योगी सरकार की प्राथमिकता फार्मर रजिस्ट्री योजना की प्रगति संतोषजनक नहीं है, जिससे डीएम मोनिका रानी नाराज हैं। योगी सरकार की प्राथमिकता में शुमार फार्मर रजिस्ट्री योजना की प्रगति ठीक न होने पर डीएम मोनिका रानी खफा हैं। जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई है। कहा कि जल्द ही प्रगति में सुधार नहीं हुआ तो दंडात्मक कार्रवाई के लिए तैयार रहें हैं। कहा कि 20 दिसंबर तक हर हाल में सभी किसानों को पीएम फसल बीमा से जोड़े। लापरवाह अधिकारियों व संबंधित विभाग के कर्मचारियों को चिंहित कर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने मानक से कम प्रगति पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त किया। जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अन्तिम चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि यदि प्रगति में अपेक्षित सुधार नहीं आता है तो सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। डीएम ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता को देखते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण मनोयोग के साथ कार्य कर प्रगति में सुधार लायें। डीएम ने उप निदेशक कृषि को निर्देश दिया कि 20 दिसम्बर को दोबारा समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। 20 दिसंबर तक अधिक से अधिक किसानों को फसल बीमा योजना से आच्छादित किया जाएगा।

डीएम ने कहा कि आगामी एक सप्ताह में अपेक्षित सुधार न होने पर सम्बन्धित के विरुद्ध एक्शन लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जरूरतमन्द किसानों को शासन की मंशानुरूप उर्वरक एवं बीज उपलब्ध ा कराएं। डीएम ने किसान क्रेडिट कार्ड वितरण एवं कृषि यंत्रीकरण सहित अन्य योजनाओं की भी समीक्षा की तथा प्रगति बढ़ाने का निर्देश दिया गया। एडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव, डीडी कृषि टीपी शाही, डीएओ डॉ. सूबेदार यादव, भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. सौरभ वर्मा मौजूद रहे।

# अतिक्रमण खुद हटा लें अन्यथा हटाना पड़ेगा

**संवाददाता–श्रावस्ती।** जिले की सड़कों पर अतिक्रमण फैला है। इससे अक्सर दुर्घटनाएं हुआ करती हैं। दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने अतिक्रमण कारियों पर सख्ती शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से अतिक्रमण कारियों को सड़की पटरियों से सामानों को हटाने की चेतावनी दी जा रही है। जमुनहा तहसील क्षेत्र के थाना हरदत्त नगर गिरंट के बदला चौराहा व हरबंशपुर चौराहे पर अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए शुक्रवार शाम को थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय ने दोनों चौकी इंचार्जों और पुलिस बल के साथ पैदल गश्त किया।

इस दौरान सड़क के पटरियों पर अतिक्रमण करने वाले पान की ढाबलियों,अंडा, मछली, होटल, परचून आदि दुकानदारों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सभी लोग सड़क की भूमि छोड़ कर दुकान रखें। जिन्होंने दुकानें फैला रखी हैं वे खुद सामान उठा लें अन्यथा सामानों को हटा दिया जाएगा। इस दौरान सीओ संतोष कुमार भी मौके पर मौजूद रहे।

# दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ हुआ मॉकड्रिल, एसपी ने लिया जायजा

**संवाददाता–महराजगंज।** पुलिस लाइन में परेड के दौरान दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ पुलिस कर्मियों ने मॉक ड्रिल किया। एसपी सोमेन्द्र मीना ने मॉक ड्रिल का जायजा लेते हुए जरूरी निर्देश दिया। इस दौरान परेड का संचालन सीओ लाइन अनुज कुमार सिंह ने किया। एसपी ने पुलिस कर्मियों को शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ लगवाई। इस दौरान सभी पुलिस कर्मियों से दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने तथा शांति, सुरक्षा एवं समाज में भय मुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से दंगा, बलवा व भीड़ नियंत्रण का पूर्वाभ्यास कराया गया। बलवा ड्रिल का उद्देश्य कानून व्यवस्था के उल्लंघन एवं विधि विरुद्ध भीड़ से जमाव की स्थिति में पुलिस बल को तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाना रहा। भीड़ को तितर–बितर करने के लिए रबर बुलेट गन, स्मोक गन, आंसू गैस के गोले, एंटी राइट गन, टीयर गैस गन, हैंड ग्रेनेड आदि चलवाते हुए जानकारी दी गई। दंगाइयों पर एंटी राइट गन, टीयर गैस गन, हैंड ग्रेनेड, टीयर स्मोक सेल आदि के प्रयोग के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान थाना प्रभारीगण, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# सेब समझ कर खा लिया विषाक्त फल व बीज, आठ बच्चे बीमार, बेहोशी की हालत में लाए गए

**संवाददाता–बहराइच।** रिसिया थाना क्षेत्र में विषाक्त फल खाने से आठ बच्चे बीमार हो गए। उन्हें बेहोशी की हालत में अस्पताल लाया गया।

हालांकि, इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। एक गांव के आठ बच्चों ने शुक्रवार की देर शाम सेब समझकर डीजल के पेड़ का फल व बीज खा लिया। रात में सभी बच्चे बहोश होने लगे। बेहोशी की हालत में परिजनों ने अपने–अपने बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। रात भर इलाज के बाद सभी बच्चे स्वस्थ हो गए। इस पर डॉक्टरों ने सभी बच्चों को घर भेज दिया है।

रिसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुकाम निवासी आठ बच्चे गांव में खेल रहे थे तभी गांव में लगे डीजल के पेड़ से सेब समझकर उसका फल तोड़कर घर लाए और फल व बीज खा लिया। फल व बीज खाने वाले बच्चों में आवेश खान पुत्र बड़कऊ (9), उबेश खान पुत्र मोहम्मद कलीम (10), नूर आलम पुत्र मोहम्मद नसीम (7), फैयुद्दीन पुत्र मुबारक अली (6), उजमा पुत्री राशिद (3), फैजान (8), सूफियान (9), सलमान (11) पुत्रगण मंजूर शामिल हैं।

रात आठ बजे के बाद इन सभी बच्चों की हालत बिगड़ी और वे बेहोश होने लगे। अभिभावक बिना देरी किए बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिसिया में भर्ती कराया। सीएचसी में मौजूद डॉ. मिथलेश ने सभी बच्चों का रात भर इलाज किया। सभी बच्चों के ठीक हो जाने के बाद शनिवार को डिस्चार्ज कर दिया। सभी बच्चे अपने परिजनों के साथ घर चले गए।

# जमीन विवाद को लेकर ससुर और दामाद के बीच जमकर चले लाठी डंडे, ईट पत्थर

**संवाददाता–गोण्डा।** जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र के एक गांव में जमीन के विवाद को लेकर ससुर और दामाद के बीच जमकर लाठी डंडे ईट पत्थर चले। नाराज ससुर ने अपने दामाद की बाइक को फूंक दिया। जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। दामाद की पिटाई से ससुर गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर गंभीर स्थिति में उनका इलाज चल रहा है। इटियाथोक थाना के गांव गिलौली के रहने वाले राजेंद्र कुमार चौबे और उनके ससुर हरिश्चंद्र के बीच जमीन पर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ काटने के विवाद को लेकर ससुर ने दामाद की मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया। जिससे मोटरसाइकिल पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया जमकर लाठी डंडे चले। विवाद के दौरान ससुर को काफी चोटें आई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। दामाद को भी हल्की–फुल्की चोटें आई हैं। इस पूरे प्रकरण को लेकर दामाद राजेंद्र कुमार चौबे ने इटियाथोक पुलिस को तहरीर देखकर बाइक जलाने और मारने पीटने का आरोप लगाया है। दामाद की तहरीर पर पुलिस ने ससुर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

राजेंद्र कुमार चौबे ने पुलिस को दिए गए तहरीर में कहा है कि वह अपने ससुर हरिश्चंद्र की जमीन व दुकान की देखरेख करता था। उसने उस जमीन में यूकेलिप्टस का पौधा लगाया था। उस पौधे को उनके ससुर ने उखाड़ दिया। जिस पर दोनों के बीच कहा सुनी हुई। इससे नाराज ससुर ने दामाद और उसके भाई सूरज को गाली देते हुए लाठी डंडों से मारा पीटा जान से मारने की धमकी देते हुए स्प्लेंडर मोटरसाइकिल में आग लगा दी। मोटरसाइकिल पूरी तरह से जलकर राख हो गई। इस मामले में लोगों ने बीच बचाव कराकर ससुर– दामाद को हटा कर अलग किया। लेकिन रामकिशोर की हालत गंभीर हो चुकी थी। जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। आसपास लोगों की माने तो ससुर शराब नशे में धुत थे। और पहले भी कई मामलों में मारपीट में आरोपित रह चुके हैं।

इस संबंध में थानाध्यक्ष इटियाथोक शेष मणि पांडेय ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर दो लोगों ने आपस में मारपीट किया है। तथा दोनों पक्ष आपस में ससुर दामाद हैं। जिसमें ससुर ने दामाद की मोटरसाइकिल जला दी है। और मामले में दामाद की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है। ससुर के पक्ष से कोई तहरीर नहीं मिली है। जांच करके कार्रवाई की जा रही है।

# स्कूलों में बर्तन खरीद व खेल सामग्री की होगी जांच

**संवाददाता–महराजगंज।** परिषदीय विद्यालयों में बर्तन खरीद और खेल सामग्री खरीद की जांच होगी। खरीद में गड़बड़ी की आशंका पर जिला स्तरीय से लेकर ब्लाक स्तरीय अधिकारी हर विद्यालय पर जाकर खरीदी गई सामग्री, बर्तन व बिल बाउचर का मिलान करेंगे। इसमें गड़बड़ी मिलने व खरीद नहीं होने पर कार्रवाई की जाएगी।

परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को खेलकूद कराने के लिए सरकार समय–समय पर धनराशि भेजती है। खेल के प्राथमिक विद्यालय में 5000 हजार रूपये व उच्च प्राथमिक विद्यालय पर दस हजार रुपये भेजा जाता है। इस धनराशि से क्रिकेट, बालीवॉल, फुटबाल, रस्सी, बैडमिंटन आदि सामग्री की खरीद किया जाना होता है। वहीं मध्याह्न भोजन बनाने के लिए बर्तन खरीद के लिए भी छात्र संख्या के आधार पर प्रत्येक विद्यालय पर दस से 25 हजार रुपये भेजा जाता है। जुलाई में धनराशि भेजा गया था। इसमें 1485 पुराने विद्यालयों व 25 नए विद्यालयों में धनराशि भेजा गई है, लेकिन अधिकांश विद्यालयों में या तो खरीद नहीं किया गया है या आधी अधूरी सामग्री खरीद की गई है। बीते दिन बीएसए ने दो विद्यालयों का निरीक्षण किया तो दोनों विद्यालयों में बर्तन व खेल सामग्री खरीद में गड़बड़ी मिली थी। इससे बड़ी गड़बड़ी की आशंका पर जनपद में खेल सामग्री और बर्तन खरीद की जांच शुरू की गई है। इसमें जिला से लेकर ब्लाक स्तरीय अधिकारी विद्यालयों पर जाकर इसकी जांच, सत्यापन करेंगे। इसमें खरीदे गए बर्तन व खेल सामग्री का बिल बाउचर व उनकी संख्या का भौतिक सत्यापन करेंगे। गड़बड़ी पर इसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को देंगे। जिसके बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों खेल सामग्री की खरीद स्कूल के प्रधानाचार्य व स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जाता है। वहीं बर्तन की खरीद स्कूल के प्रधानाध्यापक व गांव के प्रधान के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जाता है। बीएसए श्रवण कुमार गुप्ता ने बीते 11 दिसंबर को कम्पोजिट विद्यालय सरडीहा व उच्च प्राथमिक विद्यालय चेहरी का निरीक्षण था। इन जगहों पर गड़बड़ी मिलह है। इसकी गहन जांच एमडीएम जिला समन्वयक व बीईओ मिटीरा कर रहे हैं। श्रवण कुमार गुप्ता, बीएसए ने कहा कि स्कूलों में बर्तन व खेल सामग्री की जांच की जाएगी। अधिकारी हर स्कूल पर जाकर खरीदे गए सामग्री व बिल बाउचर को देखकर भौतिक सत्यापन करेंगे। जहां खरीद में बड़बड़ी मिलेगी वहां के जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# अज्ञात वाहन की टक्कर से हिरन की मौत

**संवाददाता–श्रावस्ती।** सोनवा थाना क्षेत्र के बहराइच मल्हीपुर मार्ग पर इटरौली चौराहे पर शनिवार सुबह एक हिरन सड़क पर आ गया। इसी बीच किसी अज्ञात वाहन ने हिरन को टक्कर मार दिया और हिरन सड़क पर गिर गया तथा वाहन हिरन को कुचलते हुए निकल गया। इससे हिरन की मौके पर मौत हो गई। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने वन विभाग दिया। इस पर रेंजर हरिश्चंद्र तिवारी, डिप्टी रेंजर विकास वर्मा मौके पर पहुंचे और हिरन के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया।

# श्रीराम को साक्षी प्रारंभ हुआ गुप्त बजरंग बाण महायज्ञ

**–संवाददाता–भारतीय बस्ती–**

अयोध्या।श्रीराम जन्म भूमि में विराजमान अखिल ब्रह्माण्ड नायक मर्यादापुरुषोत्तम भगवान श्रीरामचन्द्रजी के सम्मुख उपस्थित हो श्रीराम लला सरकार को साक्षी मानकर सनातन ध र्म समाज के प्रति शत्रुता का भाव रखने वालों के विरुद्ध बजरंग बाण महायज्ञ के गुप्त महानुष्ठान का संकल्प लिया गया। जानकारी देते हुए रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्कि राम ने कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ भी घटित हो रहा है वह भारत के विरुद्ध दुनिया के कई देशों की मिलकर रची गई साजिश का परिणाम है।21वीं सदी के उज्ज्वल भविष्य पथ पर अग्रसर भारत के विजय रथ को अस्थिर करने की शक्ति रखने वालों को अपने इस कुकृत्य के लिए शर्मिन्दा होना पड़ेगा। हम मिला था वह कहां गया। उस पत्र में विश्व कल्याण की प्रार्थना से पहले अधर्म के नाश की प्रार्थना करने वाले लोग हैं। रामादल का गठन ही दैवीय प्रेरणा से हुआ है और अबतक जितने भी धार्मिक आयोजन हुए सभी दैवीय प्रेरणा से प्रेरित होकर ही आयोजित किए गए जो सफल रहे। बजरंग बाण महायज्ञ गुप्त महानुष्ठान दुनिया भर में रह रहे सभी सनातनी भाई बहनों के हितों को ध्यान में रखकर धर्म ग्रन्थों में वर्णित अमोघ महामंत्र जप के साथ यज्ञाहुति कर्म का श्रीगणेश किया गया।

# मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 36 जोड़े एक दूजे के हुए

**संवाददाता–श्रावस्ती।** शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कराया गया। इस दौरान 36 जोड़े एक दूजे के हुए। अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों ने नव विवाहित वर वधू को उपहार देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया, विधायक प्रतिनिधि श्रावस्ती आशुतोष पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा ने द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग एवं सामान्य वर्ग के गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सराहनीय कदम उठाया हैं। जिसके तहत गरीब व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी सरकार अपने खर्चे पर करके लड़कियों के हाथ पीले कर रही रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे गरीब जो अपने निर्धनता के कारण बेटियों का विवाह करने में बहुत कठिनाई उठाते थे। इन्ही सब कठिनाईयों को देखते हुए सरकार ने गरीब बेटियों का विवाह अपने खर्चे पर कर रही है। जो ऐतिहासिक कदम है। यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। अब किसी गरीब को अपनी बेटी की शादी के लिए चिन्तित नहीं होना पड़ेगा। इस योजना के तहत लाभार्थी जोड़ों को 51 हजार रुपये की धनराशि दी जाती है। जिसमें 35 हजार रुपये उनके खाते में हस्तानान्तरित किया जाता है तथा 10 हजार रुपये के उपहार एवं 06 हजार रुपये खाना, टेण्ट इत्यादि में व्यय होता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत कुल 36 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया गया। जिसमें विकास खण्ड इकौना के 06 जोड़े, गिलौला के 05 जोड़े, हरिहरपुरपरानी के 03 जोड़े, जमुनहा के 06, सिरसिया के 12 एवं नगर पालिका परिषद भिनगा के 04 जोड़े शामिल है। इसमें अल्पसंख्यक वर्ग के 05, अन्य पिछड़ा वर्ग के 13, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के 06 एवं सामान्य वर्ग के 02 जोड़े सम्मिलित रहे। जिला समाज कल्याण अधिकारी डाक्टर अमरनाथ यति ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में लाभ लेने का तरीका बताया।

# दुल्हन करती रही इंतजार,द्वार पर नहीं आई बारात

**संवाददाता–बहराइच।** रिसिया ग्राम कटिलिया भूपसिंह गांव निवासी एक युवती की शनिवार को रानीपुर क्षेत्र से बरात आनी थी। लेकिन सुबह लड़के पक्ष के लोगों ने दहेज में पांच लाख रुपये नकदी और कार की मांग पूरी न होने पर बारात लाने से इंकार कर दिया। इससे वधू पक्ष में मायूसी छा गई। पिता ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर केस दर्ज करने की मांग की है। रिसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कटिलिया भूपसिंह गांव निवासी अब्दुल अली की बेटी असमा बानो का विवाह जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम एलिया निवासी फैयाज खान पुत्र अयूब खान के साथ तय हुआ था। तय कार्यक्रम के मुताबिक शनिवार दोपहर में बरात आनी थी। अब्दुल अली ने बताया कि वर पक्ष के फैयाज और उसके पिता खेत अधिक होने का हवाला देकर कार और पांच लाख रुपये नकदी दहेज में मांग कर रहे थे। इतना दहेज न होने में असमर्थता जताई तो फोन पर बरात न लाने की सूचना दी और शनिवार को सभी बरात भी नहीं लाए। इंतजार के बाद लड़की के पिता ने डीएम और पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर केस दर्ज किए जाने की मांग की है। मनोज कुमार अपराध निरीक्षक,रिसिया ने कहा कि शुक्रवार को लड़के ने थाने में तहरीर भी दी थी। लड़का पक्ष खर्च का हिसाब मांगकर एक लाख रुपये देने के लिए तैयार हो गया था। इसके बाद भी बात नहीं बनी और बरात नहीं आई। दोनों शिकायती पत्र पर जांच की जा रही है।

# शिक्षक नेता की मौत का रहस्य गहराया, चर्चाओं का बाजार गर्म

**संवाददाता–देवरिया।** शिक्षक नेता की मौत का रहस्य गहराता जा रहा है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं होने से शिक्षक के मौत पर चर्चाओं का बाजार गर्म है। वह पांच बजे के करीब देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर अकेले पहुंचे थे। इसके बाद उनके साथ क्या और किन परिस्थितियों में हुआ इसे लेकर कयासबाजी हो रही है। फिलहाल शिक्षक के मौत की गुत्थी अब विसरा रिपोर्ट आने के बाद ही सुलझेगी। खुखुन्दू थाना क्षेत्र के परसिया अभिलाष गांव के रहने वाले अखिलेश मिश्र पुत्र दुर्गा प्रसाद मिश्र सलेमपुर विकास खंड के पड़री बनमाली स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक पद पर तैनात थे। वह उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के मंडल मंत्री भी थे। शिक्षक नेता होने के चलते वह बराबर शिक्षकों के सहयोग में खड़े रहते थे। कहा जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से वह काफी परेशान थे। वह रुपये के लिए कई लोगों से सम्पर्क किए थे। लेकिन कोई भी मोटी रकम देने के लिए तैयार नहीं हुए थे। वह रुपये की व्यवस्था के लिए कुछ लोगों से कई बार आग्रह कर चुके थे। रुपये की व्यवस्था करने के लिए बुधवार को वह गोरखपुर से देवरिया आए हुए थे। वह घर से निकले तो उनका मोबाइल कार्य कर रहा था। कुछ समय के बाद उनका मोबाइल स्वीच आंफ हो गया था। मामले की छानबीन में जुटी जीआरपी को सीसी टीवी फुटेज में जानकारी मिली है कि बुधवार को शाम पांच बजे के करीब शिक्षक अखिलेश मिश्र देवरिया सदर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर पर मछली हट्टा के तरफ से आए । प्लेटफार्म नम्बर पर वह फुट ओवर ब्रिज के समीप उल्टी दिए, उस समय प्लेटफार्म पर आरपीएफ स्टाफ ने शिक्षक को यात्री समझ कर पूछ ताछ अखिलेश ने कहा कि साहब हम ठीक है, चले जाएंगे। आरपीएफ जवान उन्हें मुंह धोने की बात कह कर आगे निकल गया। मुंह धोने के बाद शिक्षक प्रतीक्षालय में पहंचे। सीसी टीवी फुटेज में वह अकेले जाते हुए दिख रहे हैं। इसके बाद वह प्रतीक्षालय में एक बेंच पर लेट गए। लगभग सात बजे के लगभग एक यात्री ने प्रतिक्षालय में यात्री की मौत की सूचना स्टेशन पर तैनात टीसी को दिया। टीसी ने इसकी जानकारी जीआरपी और आरपीएफ को दिया। आरपीएफ ने रेलवे के चिकित्सक को बुलाया उन्होंने जांच के बाद मेडिकल कॉलेज भेज दिया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। अखिलेश मिश्र के पाकेट से सुससाइड नोट मिलने की चर्चा जोरों पर है। शिक्षकों का कहना है कि अखिलेश के पाकेट में जो पत्र मिला वह उनका मोबाइल स्वीच आंफ हो गया था। मामले की छानबीन में जुटी जीआरपी को सीसी टीवी फुटेज में जानकारी मिली है कि बुधवार को शाम पांच बजे के करीब शिक्षक अखिलेश मिश्र देवरिया सदर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर पर मछली हट्टा के तरफ से आए । प्लेटफार्म नम्बर पर वह फुट ओवर ब्रिज के समीप उल्टी दिए, उस समय प्लेटफार्म पर आरपीएफ स्टाफ ने शिक्षक को यात्री समझ कर पूछ ताछ अखिलेश ने कहा कि साहब हम ठीक है, चले जाएंगे। आरपीएफ जवान उन्हें मुंह धोने की बात कह कर आगे निकल गया। मुंह धोने के बाद शिक्षक प्रतीक्षालय में पहंचे। सीसी टीवी फुटेज में वह अकेले जाते हुए दिख रहे हैं। इसके बाद वह प्रतीक्षालय में एक बेंच पर लेट गए। लगभग सात बजे के लगभग एक यात्री ने प्रतिक्षालय में यात्री की मौत की सूचना स्टेशन पर तैनात टीसी को दिया। टीसी ने इसकी जानकारी जीआरपी और आरपीएफ को दिया। आरपीएफ ने रेलवे के चिकित्सक को बुलाया उन्होंने जांच के बाद मेडिकल कॉलेज भेज दिया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। अखिलेश मिश्र के पाकेट से सुससाइड नोट मिलने की चर्चा जोरों पर है। शिक्षकों का कहना है कि अखिलेश के पाकेट में जो पत्र मिला वह उनका मोबाइल स्वीच आंफ हो गया था। मामले की छानबीन में जुटी जीआरपी को सीसी टीवी फुटेज में जानकारी मिली है कि बुधवार को शाम पांच बजे के करीब शिक्षक अखिलेश मिश्र देवरिया सदर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर पर मछली हट्टा के तरफ से आए । प्लेटफार्म नम्बर पर वह फुट ओवर ब्रिज के समीप उल्टी दिए, उस समय प्लेटफार्म पर आरपीएफ स्टाफ ने शिक्षक को यात्री समझ कर पूछ ताछ अखिलेश ने कहा कि साहब हम ठीक है, चले जाएंगे। आरपीएफ जवान उन्हें मुंह धोने की बात कह कर आगे निकल गया। मुंह धोने के बाद शिक्षक प्रतीक्षालय में पहंचे। सीसी टीवी फुटेज में वह अकेले जाते हुए दिख रहे हैं। इसके बाद वह प्रतीक्षालय में एक बेंच पर लेट गए। लगभग सात बजे के लगभग एक यात्री ने प्रतिक्षालय में यात्री की मौत की सूचना स्टेशन पर तैनात टीसी को दिया। टीसी ने इसकी जानकारी जीआरपी और आरपीएफ को दिया। आरपीएफ ने रेलवे के चिकित्सक को बुलाया उन्होंने जांच के बाद मेडिकल कॉलेज भेज दिया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। अखिलेश मिश्र के मोबाइल का डिटेल खंगाला जाए तो भी उत्पीड़न से जुड़े अहम सुराग मिल सकते हैं।

# पुलिस ने सड़क की पटरियों को अतिक्रमण से मुक्त कराया

**संवाददाता–गोण्डा।** अवैध अतिक्रमण के खिलाफ डीआईजी के फरमान का असर दिखने लगा है। डीआईजी के आदेश पर मोतीगंज पुलिस भी सक्रिय हो गयी है। शनिवार को पुलिस ने कस्बे में अभियान चलाकर अवैध अतिक्रमण हटवाया। साथ ही चेतावनी दी कि अगर किसी ने सड़क के पटरियों पर अवैध रूप से दुकान लगायी तो संबंधित के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जायेगी। बताया जाता है देवीपाटन मंडल के नवागत डीआईजी अमित पाठक ने चार्ज संभालते ही अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था, जहाँ पर शनिवार दोपहर बाद मोतीगंज पुलिस ने कस्बे का भ्रमण कर अतिक्रमण हटवाया और पटरी दुकानदारों को हिदायत दी कि आगे से वह अपनी दुकानों को पटरी छोड़कर लगाएं। थानाध्यक्ष अनीता यादव के नेतृत्व में पुलिस फोर्स ने कस्बा मोतीगंज, पीपल चौराहा, राजगढ़ बाजार से लेकर अन्य तिराहे तक सड़क की दोनों पटरियों से अतिक्रमण से खाली कराया। एसओ ने बताया कि सभी दुकानदारों को अपनी सीमा के भीतर दुकान लगाने के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही हिदायत दी गयी है कि अगर किसी ने सड़क की पटरी पर दुकान लगायी तो उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जायेगी।

# आगे बढ़ना है तो अपनी कमी खुद पहचानइए –बृजभूषण

**संवाददाता–गोण्डा।** नन्दिनी के इंडोर स्टेडियम में शनिवार को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी छात्र – छात्राओं को सम्बोधित करते हुए पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि जीवन में तरक्की करना है तो खुद से बात करना सीखिए। अपने कमी कमजोरी को पहचान कर इससे दूरी बनाकर ही आप कैरियर में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकते हैं । सम्मान समारोह के 14वें चरण में शनिवार को जिले के पांच ब्लाक मनकापुर, इटियाथोक, बभनजोत, रेहरा और छपिया के 58 इंटर कालेज के 2800 मेधावी छात्र – छात्राओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर पूर्व सांसद द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्जवलन और गुरू वशिष्ठ महाविद्यालय मनकापुर के छात्रों के सांस्कृतिक प्रस्तुति से हुआ। इसके पश्चात पूर्व सांसद श्री सिंह द्वारा अपने जीवन के अनुभव को सुनाते हुए छात्रों को सफलता के अनेक दृष्टांत सुनाए गए। कहा कि आलस्य को त्याग कर , नशे की लत से दूर रहते हुए शिक्षा के साधना से आप जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। समारोह को राज कुमार दास और हेमन्त दास ने भी सम्बोधित करते हुए छात्रों का मार्गदर्शन किया। संचालन डॉ नवीन सिंह ने किया। इस दौरान मंहथ राजकुमार दास, राम बल्लभा कुंज अयोध्या , हेमंत दास पुजारी, हनुमानगढ़ी अयोध्या धाम , महंत कृपालु दास, दशरथ महल , महंत गिरीश दास अयोध्याधाम, पुजार अतुलित दास, शीश महल अयोध्या धाम, श्री भूपेंद्र सिंह एमपी, दाऊजी ,प्रमुख नीलू पासवानें, चेयरमैन डा सत्येन्द्र सिंह, प्रशासक राम कृपाल सिंह, प्राचार्य डा बीएल सिंह ,डा देवानंद तिवारी, डा एमके सिंह ,डा सुनील तिवारी , डा राजकुमार सिंह, डा शत्रुघ्न सिंह ,डा केके पटेल, सोनू सिंह रहें।

मिलावटी खाद्य पदार्थों पर साध ा सरकार पर निशाना रू सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्व सांसद ने बाजार में बिक रहे समानों का जिक्र किया। सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इन वस्तुओं के बिक्री पर रोक लगाने के लिए सरकार के पास अनेक विभाग मौजूद हैं। इन सब के बावजूद बाजार में खुलेआम बिक रहें है। इन मिलावटी वस्तु के खाने से न सिर्फ लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है अपितु ये अनेक प्रकार की बीमारियों को भी पैदा कर रहें हैं।

## बर्ड फ्लू की रोकथाम के लिए होगी निगरानी

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने कहा कि बर्ड फ्लू की रोकथाम एवं बचाव बखिरा पक्षी विहार एवं प्रवासी पक्षियों की निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही आपात स्थिति के लिए स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त दवाओं के साथ आइसोलेशन वार्ड बनाने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित दिया कि बर्ड फ्लू की रोकथाम एवं बचाव से संबंधित समस्त तैयारी पूरी रखी जाए। विशेष कर बखिरा पक्षी विहार एवं प्रवासी पक्षियों की निगरानी करें। कहीं भी किसी प्रकार से अधिक संख्या में पक्षियों की मृत्यु होने पर तुरंत संबंधित विभाग को सूचना देने का निर्देश दिया।

पशु चिकित्साधिकारी ने बताया गया कि बर्ड फ्लू एक विषाणु जनित रोग है, इससे मनुष्य में बीमारी होने का खतरा बना रहता है। पशुपालन विभाग द्वारा जनपद में पांच क्यूआरटी (क्विक रिस्पांस टीम) बनाई गई है। सीडीओ ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया की बर्ड फ्लू से मनुष्यों में होने वाली बीमारी के इलाज के लिए पर्याप्त मात्रा में दवा का इंतजाम कर लें। साथ ही इलाज के दौरान भर्ती करने के लिए आइसोलेशन वार्ड की व्यवस्था करायें।

मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में चल रही 21वीं पशुगणना के कार्य में लगे कर्मचारियों को निर्देश दिया कि पशुगणना का कार्य समय से पूरा करें। कार्य को गुणवत्तापूर्वक संपादित करायें।

## दस नए वार्डों में कर निर्धारण पूरा, अब होगी वसूली

संवाददाता–गोरखपुर। नगर निगम में शामिल 10 नए वार्डों में कर निर्धारण का काम पूरा हो गया है। आपत्तियों के निस्तारण के बाद निगम ने रेट तय कर दिए हैं। ये दरें वित्तीय वर्ष 2024–25 से प्रभावी होंगी। नए साल से कॉमर्शियल संपत्तियों से वसूली भी शुरू हो जाएगी। नगर निगम नवसृजित 10 वार्डों में वर्तमान सत्र 2024–25 से संपत्ति कर वसूल करेगा। फिलहाल वार्ड नंबर छह खोराबार और वार्ड नंबर 31 हरसेवकपुर में सर्वेक्षण एवं जियो टैग का काम निजी फर्म कर रही है।

साल 2018–19 में हुए सीमा विस्तार के अंतर्गत नगर निगम में 31 गांव शामिल हुए। उसके बाद 10 नए वार्डों का सृजन हुआ, जिसमें रानीडीहा, खोराबार, बड़गो, संझाई, मोहनपुर, गुलरिहा, हरसेवकपुर, भरवलिया, देवी प्रसाद नगर और गायघाट वार्ड बनाए गए। नगर निगम के सीमा विस्तार के लिए नोटिफिकेशन की प्रक्रिया साल 2019 में ही पूरा कर ली गई थी। निगम में शामिल क्षेत्रों की पांच साल की अवधि पूरी हो चुकी है। इन वार्डों में जीआईएस सर्वेक्षण नहीं हुआ है। लिहाजा निजी फर्म के कर्मचारियों के जरिये नगर निगम घर–घर सर्वेक्षण करा रहा है। वर्तमान में खोराबार और हरसेवकपुर में करीब आठ हजार 131 भवनों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। सर्वेक्षण करा रही फर्म को काम में और तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें मोहल्लेवार सभी मकानों को सीरियल नंबर और हाउस नंबर भी दिए जा रहे हैं। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी विनय कुमार राय ने बताया कि जिन भवनों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, उन्हें संपत्तिकर के लिए नोटिस भी दिए जाएंगे, ताकि नोटिस पर आपत्तियां सुनकर वर्तमान वित्तीय वर्ष से ही संपत्ति कर जमा कराया जाए। उद्र, नए वार्डों का कर निर्धारण फाइनल हो गया है। जनवरी से कॉमर्शियल संपत्तियों के लिए वसूली शुरू हो जाएगी। इसके बाद जैसे–जैसे वार्डों में सर्वे पूरा होगा, उसके हिसाब से वसूली की जाएगी।

## प्रेमी युगल ने छप्पर की बड़ेर से लटककर दी जान

संवाददाता–अयोध्या। प्यार में असफल प्रेमी युगल ने खौफनाक कदम उठाया। शुक्रवार की रात उन्होंने छप्पर की बड़ेर से लटकर जीवनलीला समाप्त कर ली। घरवालों ने देखा तो रोना–पीटना शुरू हो गया। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके साक्ष्य जुटाए। मौजूद लोगों से बात करके जानकारी जुटाई।

घटना रौनाही थाना क्षेत्र के पिरखौली गांव की है। गांव निवासी दिवाकर और राधा एक दूसरे से प्रेम करते थे। जब उन्हें लगा कि वह समाज की बंदिशों को तोड़कर एक न हो पाएंगे तो एक निर्णय लिया। निर्णय लिया कि साथ जी नहीं सकते लेकिन मर तो सकते हैं।

शुक्रवार की देर रात वह गांव के ही पंचम के घर के पास पहुंचे। यहां छप्पर की बड़ेर में लटककर जान दे दी। शनिवार सुबह लोगों ने देखा तो भीड़ लग गई। सूचना पर एसएसपी राजकरन नय्यर पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी ली। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

थाना प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि इस घटना के बारे में दोनों के परिवारों से बात की गई है। परिवार के सदस्यों के अनुसार उनके प्रेम–प्रसंग के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उनका कहना है कि यदि उन्हें पता होता तो इस रिश्ते को लेकर विचार कर सकते थे। युवक और युवती स्वजातीय थे। फिलहाल पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही थी।

# एचआर इंटर कॉलेज की छह टीमें स्कूल इनोवेशन मैराथन में शामिल

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज, खलीलाबाद के अटल टिंकरिंग लैब से जुड़ी 6 टीमों के 12 छात्रों ने देश की सबसे बड़ी स्कूल इनोवेशन चुनौती, स्कूल इनोवेशन मैराथन 2024–2025 में भाग लिया है। यह प्रतियोगिता अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से ऑन लाइन आयोजित की जा रही है। यह कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए रचनात्मक प्रतिभा और नवीन सोच प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच प्रदान करती है।

अटल टिंकरिंग लैब के प्रभारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि इन टीमों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अपनी सोच और क्षमता का प्रदर्शन किया है। ये प्रोजेक्ट्स छात्रों के जुनून, लगन और सामाजिक समस्याओं के समाधान की सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। जो टीमें शामिल हो रही हैं उनमें टीम–1 के नैनोबोट्स के प्रोजेक्ट नाम एग्रोबोट है। इसके प्रतिभागी अजय कुमार और अविनाश कुमार गौड़ हैं। यह प्रोजेक्ट कृषि कार्यों को स्वचालित करने और किसानों की मदद के लिए एक नवीन तकनीक प्रस्तुत करता है।

दूसरी टीम नैनो साइंटिस्ट के प्रोजेक्ट नाम जलरक्षक है। इसके प्रतिभागी विवेक कुमार और अखिल कुमार हैं। यह प्रोजेक्ट पानी के संरक्षण और जल प्रबंधन के लिए एक स्मार्ट समाधान प्रदान करता है। तीसरी टीम– टीम वारियर्स के प्रोजेक्ट का नाम माइंड कंसंट्रेशन गेम है। इसके प्रतिभागी प्रियांशु गौड़ और प्रियांशु कुमार हैं। छात्रों ने एक ऐसा खेल विकसित किया है जो मानसिक ध्यान और एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक है।

चौथी टीम रोबो सिस्टर्स के प्रोजेक्ट नाम ब्लाइंड स्टिक है। इसकी प्रतिभागी आइरिस शेख और श्रेया सिंह हैं। यह प्रोजेक्ट दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए स्मार्ट स्टिक बनाने पर आधारित है, जो उनके दैनिक जीवन में मदद करेगी। पांचवी टीम– टीम कैप्टन के प्रोजेक्ट नाम स्मार्ट ब्लाइंड ग्लासेज है। इसके प्रतिभागी इंद्रजीत वर्मा और विराज सैनी हैं।

यह प्रोजेक्ट दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए स्मार्ट चश्मा विकसित करने पर केंद्रित है। छठवीं टीम फाइटर के प्रोजेक्ट नाम स्मार्ट ह्वीलचेयर है। इसके प्रतिभागी अजय कुमार और राज हैं। यह प्रोजेक्ट दिव्यांगजनों के लिए एक स्मार्ट व्हीलचेयर का निर्माण करता है जो उनकी गतिशीलता में सुधार करेगा।

डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि इन सभी प्रोजेक्ट्स को समाज की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह इन छात्रों के लिए गौरव का क्षण है। इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से वे न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि समाज के लिए कुछ उपयोगी समाधान भी प्रस्तुत कर रहे हैं।

## यूपी समेत कई प्रदेशों से आएंगे 350 क्रेता–विक्रेता, नई राह दिखाएंगे विशेषज्ञ

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पूरे विश्व में खुशबू फैलाने वाला कालानमक चावल को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार जहां ओडीओपी में चयन किया, वहीं अब जिलाधिकारी के विशेष पहल पर जनपद में पहली बार बुद्धा राइस (कालानमक चावल) क्रेता–विक्रेता सम्मेलन 22 और 23 दिसंबर को आयोजित किया गया है। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश समेत कई अन्य प्रदेशों से लगभग 350 क्रेता–विक्रेता शामिल होंगे। इससे जहां वह अपने अनुभवों को साझा करेंगे, वही विशेषज्ञों की ओर से अहम जानकारी भी मिल सकेगी। कार्यक्रम की सफलता के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिला मुख्यालय के बीएसए कार्यालय के ग्राउंड में 22 और 23 को आयोजित बुद्धा राइस (कालानमक चावल) क्रेता–विक्रेता सम्मेलन चार सत्रों में संपन्न कराया जाएगा। उद्घाटन के दिन उत्पादन सत्र एवं गुणवत्ता नियंत्रण सत्र चलेगा। जबकि 23 दिसंबर को विपणन सत्र एवं प्रसंस्करण सत्र आयोजित है। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों समेत आंध्र प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, तमिलनाडु के अलावा अन्य राज्यों से कालानमक चावल से ताल्लुक रखने वाले लगभग 350 क्रेता–विक्रेता की सहभागिता रहेगी। सम्मेलन की सफलता के लिए जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर ने कई अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यक्रम स्थल परिसर में 50 स्टाल लगाए जाएंगे, जिसमें कालानमक से जुड़े बिंदुओं पर खास फोकस रहेगा। उद्घाटन के दिन सायं मुंबई से आ रही साधो द बैंड के टीम की खास प्रस्तुति रहेगी। बुद्धा राइस (कालानमक चावल) क्रेता–विक्रेता सम्मेलन में जिन विशेषज्ञों के सहभागिता की उम्मीद है, उनमें आईआरआरआई वाराणसी के निदेशक डॉ. सुधांशु सिंह, आईएआरआई के सेवानिवृत निदेशक डॉ. एके सिंह, पदमश्री रामचेत चौधरी, सेवानिवृत्त सीआरआरआई कटक के प्रो. बीएन सिंह, एनसीओएफ गाजियाबाद के निदेशक डॉ. गगनेश शर्मा, नाफेड के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार बंसल, आईएएस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. शरद कुमार अग्रवाल, आईएमए लखनऊ के सचिव डॉ. संजय सक्सेना, बासमती एक्सपोर्ट बोर्ड के डॉ. रितेश शर्मा, एपिडा से डॉ. सीबी सिंह, एफएसीओएस के चेयरमैन के. राजेंद्रन, लघु उद्योग भारती के प्रदेश सचिव सुरेश गुप्ता, आईआईए के राष्ट्रीय वित्तीय सलाहकार केके अग्रवाल, आईआईए के राष्ट्रीय सचिव जेपी अग्रवाल, आईआईआरआर हैदराबाद के डॉ. रवि माथुर सुंदरम, कृषि विपणन बोर्ड से रिजिस्ट्रेंद्र कुमार शामिल हैं।

## कोई भी गांव विकास से अछूता नहीं रहेगा –रामचंद्र

संवाददाता–अयोध्या। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र का कोई भी गांव विकास से अछूता नहीं रहेगा। हर गांव पक्की सड़क से जुड़ेगा। गांव की गलियां हाईमास्ट लाइटों के प्रकाश से रोशन होंगी। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास शासन की प्राथमिकता है। केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार अपने सभी वादे पूरा कर रही है।

यह बातें विधायक ने गौरियामऊ में विकास योजनाओं के लोकार्पण समारोह में कहीं। विधायक ने विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि से दो करोड़ 80 लाख रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इसमें 15 गांवों को जोड़ने वाली आरसीसी इंटरलाकिंग सड़क व 47 स्थानों पर हाईमास्ट लाइट शामिल है। कार्यक्रम में विधायक का ग्रामीणों, पदाधिकारियों व कार्यदायी संस्था के पदाधिकारियों ने फूल– माला से स्वागत किया। इस मौके पर भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष आशीष शर्मा, जिपं सदस्य राम नेवल लोधी, अवर अभियंता संदीप यादव ने विकास का खाका पेश किया। इस दौरान चेयरमैन शीतला प्रसाद शुक्ल, किशोरीलाल भारती, प्रधान पूर्णमासी रावत, धर्मवीर यादव, दिनेश यादव, रणवीर सिंह, जंग बहादुर यादव, विकास मिश्र व अन्य मौजूद रहे।

## 68 माफियाओं पर कार्रवाई की रिपोर्ट तलब

संवाददाता–गोरखपुर। 68 माफियाओं पर कार्रवाई की रिपोर्ट शासन ने तलब की है। गोरखपुर के चार माफिया इस सूची में शामिल हैं। एक का एनकाउंटर हो चुका है। सुधीर सिंह, राकेश यादव और राजन तिवारी के साथ रामू द्विवेदी का नाम इसमें है। माफियाराज के खात्मे को 2022 में बनी थी प्रदेशस्तरीय सूची। प्रदेशस्तरीय 68 माफिया और उनके गैंग के सदस्यों खिलाफ पिछले 21 महीने में क्या कार्रवाई की गई है? शासन ने सभी जिलों से इसका ब्योरा तलब किया है। जिलों से पूछा गया है कि इनमें से कितने माफिया के खिलाफ अब तक कार्रवाई की गई। कितनों की सम्पत्ति जब्त हुई है और कितने माफिया को पुलिस सजा दिलाने में कामयाब रही है। प्रदेशस्तरीय सूची घोषित करने के बाद पांच माफियाओं पर पिछले साल तक कोई कार्रवाई नहीं हुई थी जबकि 12 माफिया पर कार्रवाई का सिर्फ कोरम पूरा किया गया था।

दरअसल, यूपी में अपराध पर लगाम और माफियाराज खत्म करने के लिए 25 मार्च 2022 को प्रदेशस्तरीय माफियाओं की सूची तैयार की गई थी। इस सूची में प्रदेशभर के 68 माफिया शामिल किए गए थे। जिसमें गोरखपुर के चार और देवरिया के एक माफिया का भी नाम शामिल किया गया था। गोरखपुर के चार माफिया में से विनोद उपाध्याय एनकाउंटर में मारा जा चुका है जबकि सुधीर सिंह, राकेश यादव और राजन तिवारी कार्रवाई के दायरे में हैं। वहीं देवरियालखनऊ से रामू द्विवेदी का नाम भी इस सूची में है। कार्रवाई की समीक्षा के क्रम में शासन ने रिपोर्ट तलब की है।

पूर्व विधायक माफिया राजन तिवारी को पुलिस ने 2020 में गैंगस्टर के एक मामले में गिरफ्तार किया था। राजन तिवारी वर्तमान में जमानत पर जेल से बाहर है। उनके मुकदमों में पुलिस पैरवी कर रही है। संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवदी, पर देवरियालखनऊ में कई केस दर्ज हैं। रामू द्विवेदी पर दर्ज मुकदमों में दोनों जिलों की पुलिस पैरवी कर रही है। सुधीर सिंह पर गोरखपुर सहित कई जिलों में केस दर्ज है। सुधीर सिंह को कुछ महीने पहले आर्म्स एक्ट के मामले में सजा हुई है। वह जमानत पर बाहर है। राकेश यादव को दो मामलों में सजा हुई है। विनोद उपाध्याय फरारी के दौरान एनकाउंटर में मारा गया था। गिरोह में शामिल अन्य लोगों पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। पिछले साल तक 68 में से 17 माफियाओं पर उनके जिले की पुलिस द्वारा नरमी बरते जाने का मामला सामने आया था। इनमें पांच ऐसे थे जिनके खिलाफ शून्य कार्रवाई हुई थी। 12 माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई का सिर्फ कोरम ही पूरा किया गया था। 17 माफियाओं में विनय त्यागी उर्फ टिक्कू के अपराध का कार्यक्षेत्र मुजफ्फरनगर के साथ मेरठ भी बताया गया है तो वहीं रामू द्विवेदी का देवरिया के साथ आपराधिक कार्यक्षेत्र लखनऊ भी है। लिहाजा इन दोनों के खिलाफ मेरठ और लखनऊ पुलिस से भी कार्रवाई करने के लिए कहा गया।

## निजीकरण का निर्णय जन विरोधी व कर्मचारी विरोधी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में बिजली कर्मियों ने सरकार के द्वारा निजीकरण करने को लेकर लिए गए निर्णय का विरोध किया। सभी ने कहा कि सरकार का यह निर्णय जन विरोधी व कर्मचारी विरोधी है। हम सब सरकार के इस निर्णय का विरोध करते रहेंगे।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने पावर कार्पोरेशन प्रबंधन पर आरोप लगाया कि प्रबंधन कर्मचारियों को गुमराह कर रहा है। भय का वातावरण बनाकर ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण बना रहा है। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि प्रबंधन बिडिंग प्रक्रिया शुरू करने के पहले आरएफपी डॉक्यूमेंट का ड्राफ्ट जारी करे तो निजीकरण के खतरों का अपने आप खुलासा हो जाएगा।

बिडिंग डॉक्यूमेंट जारी होते ही देश भर में लाखों बिजली कर्मी सड़क पर उतरने को विवश होंगे। एनसीसीओईईई ने निजीकरण को बड़ा घोटाला बताते हुए कहा कि अरबों खरबों रुपए की परिसंपत्तियों को कौड़ियों के मोल बेचने की साजिश सफल नहीं होने दी जाएगी।

## बाहरी दवा के भरोसे रात में चलती है इमरजेंसी



संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में जिला संयुक्त चिकित्सालय में रात में इमरजेंसी में उपचार कराने वाले मरीज व उनके परिजन ठगी के शिकार हो रहे हैं। यहां पर मरीजों के परिजनों को जल्द दवा लाने के लिए बाहर की दवा लिखकर थमा दी जाती है। ऐसे में मरीज को तुरंत ठीक कराने के चक्कर में लोग बाहर की दवा खरीदकर लाने को मजबूर हो जाते हैं। सरकार की मंशा पर जिम्मेदार पानी फेरते नजर आ रहे हैं। सरकार हर माह मरीजों के उपचार के नाम पर लाखों रुपये व्यय करती है। अस्पताल में चौबीस घंटे इमरजेंसी चलती रहती है। यहां पर उन्हीं मरीजों का उपचार किया जाता है जो लोग गंभीर रूप से बीमार रहते है। चौबीस घंटे चिकित्सक व अन्य कर्मी ड्यूटी भी करते हैं। लेकिन मरीजों के उपचार के नाम पर उन्हें परेशान किया जाता है। यहां पर सबसे अधिक परेशानी रात में होती है। चिकित्सक अपने चहेते मेडिकल स्टोर से दवा खरीदने के चक्कर में बाहर की दवा पर्ची पर लिखकर थमा देते हैं। वहीं रात में इमरजेंसी कक्ष में चिकित्सक के चहेते मेडिकल स्टोर के दलाल मौजूद रहते हैं। इन दलालों को वहां के जिम्मेदारों का संरक्षण प्राप्त रहता है। ऐसे में जिम्मेदार सरकार की मंशा पर पानी फेरते नजर आ रहे हैं। कई मरीजों ने नाम न छापने के शर्त पर बताया कि हम लोगों को मजबूरी में दवा खरीदकर लानी पड़ती है। यदि यह कहते हैं कि सरकार ने तो सब कुछ फ्री कर दिया है तो चिकित्सक नाराज होकर यह कहते हैं कि आप का मरीज रेफर होने योग्य है। गोरखपुर ले जाइए वहीं पर उपचार होगा। सीएमओ डा. रामानुज कन्नौजिया ने कहा कि मरीजों को बाहर की दवा लिखना गंभीर बात है। रात में यदि ऐसे हो रहा है तो इसका औचक निरीक्षण होगा। जो भी मिलेगा उसके खिलाफ कारवाई की जाएगी।

### अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उदघोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–109/2023

1. प्रमिला पाण्डेय उम्र करीब 49 वर्ष पत्नी देवनरायन पाण्डेय 2. एकता पाण्डेय उम्र करीब 26 वर्ष 3. अंकिता पाण्डेय उम्र करीब 25 वर्ष 4. श्रद्धा पाण्डेय उम्र करीब 22 वर्ष पुत्रीगण स्व0 देवनरायन पाण्डेय 5. अमरकान्त पाण्डे उम्र करीब 19 वर्ष पुत्र स्व0 देवनरायन पाण्डेय समस्त साकिनान मो0 इन्द्रानगर नगर पालिका परिषद तेतरी बाजारा सिद्धार्थनगर जनपद सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

**तारीख पेशी 10–01–2025**

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 01 के 10 दिवस आवेदन का सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज प्रवर खण्ड सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

# सीआरपीएफ जवान से तीन लाख रुपये की ठगी

संवाददाता–गोरखपुर। कर्नाटक के बेलागांव में तैनात सीआरपीएफ जवान को एम्स क्षेत्र के सिसवा उर्फ चनकापुर में जमीन दिलाने का झांसा देकर जालसाजों ने तीन लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोप है कि जमीन की कीमत का अग्रिम लेकर प्रॉपर्टी डीलर के बिचौलियों ने जमीन बेचने को कहा। लेकिन यह नहीं बताया कि यह जमीन जीडीए में शामिल है। बाद में मालूम हुआ कि जमीन की सौदेबाजी में दिक्कत आएगी तो जवान ने रुपये वापस करने को कहा। लेकिन प्रॉपर्टी डीलर रुपये लौटाने के बजाय जानमाल की धमकी दे रहा है। अवकाश पर आए सीआरपीएफ जवान कुशीनगर के तमकुहीराज, धर्मपुर, दुमही निवासी पंकज शुक्ला ने एसएसपी को पत्र देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसएसपी ने सीओ कैंट को मामले की जांच सौंपी है।

### अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती प्रकीर्णवाद सं. 64/2024

शकुन्तला देवी

बनाम

ओम प्रकाश आदि

1. ओम प्रकाश उम्र 48 साल 2. विजय कुमार उम्र 44 साल पुत्रगण रामभुआल साकिन रमवापुर तप्पा ऊजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

**तारीख पेशी 14–02–2025**

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2025 के माह 02 के 14 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुर्जी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

# स्कार्पियो से ठोकर मारी, जिंदा बच गया तो पीट कर मार डाला

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा क्षेत्र में देवकली गांव के पास शुक्रवार को दुस्साहसिक वारदात हुई। स्कार्पियो सवारों ने बहू को लेकर जा रहे बाइक सवार को पहले ठोकर मारी और फिर गिरने के बाद लोहे की रॉड और लाठी से पीट–पीट कर हत्या कर दी। ठोकर लगने के बाद बाइक से गिरी बहू ने खेतों में भागकर अपनी जान बचाई। उधर, पुलिस के पास हादसे में मौत की सूचना आई, लिहाजा मौके पर पहुंचे एसपी साउथ जितेन्द्र कुमार जांच में जुट गए। घटनास्थल के आसपास के सीसी टीवी कैमरे तलाशने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि पीड़ित परिवार की तरफ से मिली तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जाएगा। जांच में जो सच्चाई सामने आएगी, उस हिसाब से आगे कार्रवाई होगी। गोला क्षेत्र के धौरहरा निवासी झिनकू दुबे अपनी बहू को बाइक से लेकर गोरखपुर जा रहे थे। अभी वह गोला–कौड़ीराम रोड पर देवकली गांव के पास पहुंचे थे कि आरोप है कि उसी समय एक स्कार्पियो ने झिनकू की बाइक में तेज रफ्तार से पहले ठोकर मारी। बाइक स्कार्पियो में फंस गई। जबकि झिनकू और उनकी बहू बाइक से गिर गए। आरोप है कि दुर्घटना के बाद स्कार्पियो से चार लोग रॉड और डंडा लेकर बाहर निकले और झिनकू की पिटाई शुरू कर दी। यह देखकर अगल–बगल खेत में काम कर रहे लोग दौड़े तब स्कार्पियो सवार फरार हो गए। झिनकू की बाइक स्कार्पियो में फंसकर 50 मीटर तक घिसटती गई। झिनकू को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आरोप है कि धौरहरा निवासी झिनकू दुबे और वर्तमान ग्राम प्रधान रामेश्वर दुबे के बीच रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद था। जिसमें दीपावली के दिन ग्राम प्रधान के भाइयों ने झिनकू दुबे को पीट दिया था। झिनकू ने इसका केस दर्ज कराया था। कुछ दिन बीत जाने के बाद झिनकू ने प्रधान रामेश्वर दुबे के पिता को पीट दिया। जिसका मुकदमा दर्ज कराया गया। यहीं से दोनों परिवार में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। गांव के लोगों ने बताया कि झिनकू दुबे अपनी बहू को लेकर गोरखपुर अपने मुकदमे में 164 का बयान दर्ज कराने जा रहे थे कि घात लगाए कुछ लोगों ने पहले स्कार्पियो से ठोकर मारी, जिसमें झिनकू और उनकी बहू दोनों बाल–बाल बच गए। उसके बाद पीट कर मरणासन्न हाल में छोड़ दिया। वहीं बहू डर कर दूर भाग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जिस स्कार्पियो से यह वारदात की गई उस पर ग्राम प्रधान रामेश्वर दुबे का पोस्टर लगा था। झिनकू दुबे तीन बच्चों के पिता थे। अभय दुबे और राहुल दुबे है सभी का विवाह हो चुका है।

गांव के प्रधान रामेश्वर दुबे ने कहा में सात दिसम्बर से घर से निकला हूं। तीन दिन मुम्बई में रहा और 11 दिसम्बर को सूरत चला आया। 12 दिसम्बर से अहमदाबाद में हूं। जिस स्कार्पियो से घटना बताई जा रही है वह मेरे पिता विजय शंकर दुबे के नाम से है। गाड़ी घर पर खड़ी थी। सुबह फोन से सूचना मिली कि गाड़ी दरवाजे पर नहीं है। मैंने अपने एक रिश्तेदार को फोन कर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए कहा था। नौ बजे फोन से सूचना मिली कि आप की गाड़ी से एक्सीडेंट हो गया है। मुझसे न घटना से मतलब है और न ही एक्सीडेंट से।

## दो भाई और परिवार घर में सो रहा था, बड़े भाई ने बाहर से लगाया ताला, लगी दी आग, 5 झुलसे



संवाददाता–गोरखपुर। घर के अंदर सो रहे भाइयों और परिवार के सदस्यों को बाहर से ताला लगा दिया। बाहर से आग लगा दी। इस दौरान अंदर रह रहे पांच लोग झुलस गए। बताया जा रहा है कि आग लगने पर धुंआ निकलता देख लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को सूचना दी। चिलुआताल थानाक्षेत्र में एक हैरत करने वाला मामला सामने आया है। इलाके में बेखौफ बड़े भाई ने घर के दो रहे दो छोटे भाइयों और उनके परिवार के सदस्यों की जान लेने की योजना बना दी। घर के अंदर सो रहे भाइयों और परिवार के सदस्यों को बाहर से ताला लगा दिया। बाहर से आग लगा दी। इस दौरान अंदर रह रहे पांच लोग झुलस गए। बताया जा रहा है कि आग लगने पर धुंआ निकलता देख लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों भाइयों और पत्नियों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया, जहां उपचार चल रहा है। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है।

### कार्यालय- सहायक निबन्धक फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर

**सार्वजनिक सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राम कुमार पुत्र श्री हनुमान प्रसाद द्वारा प्रबन्धक की हैसियत से संस्था शिव मंदिर सेवा संस्था, बुढानगर मगहर पूरब, पो.-सेथवलिया, तहसील-खलीलाबाद, जनपद-संतकबीरनगर के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 01. श्री अमित कुमार/ अध्यक्ष 2 श्री विजय कुमार/ उपाध्यक्ष श्री राम कुमार / प्रबन्धक 4. श्री द्वारिका प्रसाद / उप प्रबन्धक 5. श्री संजय कुमार/ कोषाध्यक्ष 6. श्री राजकुमार 7. श्री सिद्धू-सदस्य दर्शाये गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण-दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

बी.के. सिंह
सहायक निबन्धक गोरखपुर मण्डल गोरखपुर